



वया बराबरी के नाम पर छिनता जा रहा है महिलाओं का सम्मान?

जब-जब संविधान की बात सामने आती है तो एक बात हर कोई कहता है कि हमारे देश का संविधान सबको बराबरी का हक देता है। संविधान तो हमारे देश के कानूनों की एक लिखित किताब है या यूँ कहें कि एक दस्तावेज है। जिसके अनुसार हमारे देश के नागरिकों को जीने का अधिकार प्राप्त होता है। और संवैधानिक अधिकार से उसे देश में सम्मान के साथ जीना भी है। लेकिन प्रत्येक अधिकार के पीछे एक कर्तव्य भी होता है जिसकी चर्चा कोई करता ही नहीं है। उसका नाम भी कोई नहीं लेता है। बिना कर्तव्य के अधिकार अधूरा ही होता है। हम बात कर रहे हैं महिलाओं की, जिन्हें हमारा संविधान बराबरी का अधिकार देता है। माना, संविधान ने तो महिलाओं को बराबरी का अधिकार दे दिया। लेकिन उस अधिकार से कितनी महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। दूसरी तरफ देखें तो महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने की बातें जब से कुलचर्चे मारने लगी हैं तभी से महिलाओं का सम्मान बजाए बढ़ने के घटता ही जा रहा है। संविधान लागू होने से पहले क्या महिलाओं का सम्मान नहीं होता था। होता था, बहुत होता था। मगर, हमारे देश के पूर्व दिग्गजों ने महिलाओं को अधिकार के नाम पर उन्हें श्रीहीन बनाने का ही काम किया है। महिलाओं को हमेशा घर और बाहर समान की दृष्टि से देखा जाता था। घर के बाहर फर्ला आदमी की बहू है, फर्ला आदमी की बेटी है। बड़ी इज्जत से उन्हें देखा जाता था। और आज बस में देख लो, अगर कोई महिला चाहे वह जवान हो या बड़ी उम्र की हो, खड़ी है तो मजाल उसके लिए कोई सीट खाली कर दे, जवान लड़के, हट्टे-कट्टे आदमी अपनी सीट छोड़ने को तैयार नहीं होते हैं यहाँ तक कि अगर कोई सीट खाली होती है और खड़ी हुई महिला उस पर बैठना चाहे तो उससे पहले ही दूसरा आदमी भाग कर सीट पर कब्जा कर लेता है। दूसरी तरफ बेचारी महिला गंद में बच्चे को लिए एक हाथ से बस का पाइप पकड़ कर खड़ी रहती है। बस के ब्रेक लगने पर धक्के खाती रहती है। यही हाल रेलवे की यात्रा में है। ऐसा नहीं है कि बस और रेल की ये हालत है। ये कहीं भी देखने को मिल जाएगा अगर कोई महिला परेशान है तो या तो सहायता के नाम पर उसे ठगा जाएगा या फिर कोई भी उसकी सहायता के लिए हाथ नहीं बढ़ाएगा। वरना कुछ समय पहले तक महिलाओं को देखते ही लाइन में, बसों में, रेल यात्रा में तथा अन्य स्थानों पर पहले महिला का सम्मान के साथ आगे रखा जाता था, मगर अब तो संविधान में बराबरी के नाम पर हर क्षेत्र में दोहरा मापदंड सामने आने लगा है। महिला हमारी संस्कृति और धर्म ध्वजा की विशुद्ध वाहक है। इसे सम्मान दीजिए, इसकी इज्जत कीजिए। इसके प्रति हमेशा आदर भाव की जरूरत है ताकि ये सम्मान से जीएगी तो समाज भी सम्मान और शांति से रहेगा। वरना तो महिला श्रीहीन होती चली जाएगी।

shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री ने ली राजस्व संग्रहण के संबंध में बैठक राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बनाएं कार्ययोजना

गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 7.10 प्रतिशत अधिक हुआ राजस्व अर्जन

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के विकास कार्यों को गति देने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सुदृढ़ राजस्व व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार राजस्व संग्रहण को मजबूत करने के साथ-साथ पारदर्शी और सरल कर व्यवस्था विकसित करने की दिशा में लगातार कार्य रही है। श्री शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति, खनन ब्लॉकस की नियमित नीलामी, पारदर्शी कर व्यवस्था सहित विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं जिसे गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष समान अवधि में राज्य सरकार को 7.10 प्रतिशत की राजस्व अर्जन में वृद्धि हुई है। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न विभागों द्वारा राजस्व संग्रहण के संबंध में बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी राजस्व आय में वृद्धि के लिए कार्ययोजना बना कर कार्य करें। साथ ही, सभी विभागों की राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक समिति का भी गठन किया जाए जो नियमित तौर पर विभागवार प्रगति का आकलन करे।

कर चोरी को रोकने के लिए करें सुदृढ़ निगरानी तंत्र विकसित

शर्मा ने कहा कि जीएसटी सुधारों से आमजन को राहत मिली है और इस क्षेत्र में डेटा एनालिटिक्स में प्रदेश देशभर में अग्रणी है तथा इससे करदाताओं को भी लाभ मिला है। श्री शर्मा ने कर चोरी और पारदर्शी कर व्यवस्था के लिए सुदृढ़ निगरानी तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही, कर संबंधी सेवाएं एक ही मंच पर उपलब्ध कराने के लिए इंटीग्रेटेड टेक्स मैनेजमेंट सिस्टम के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इस सिस्टम के उपयोग करने से करदाताओं को अधिक सुगमता हुई है।



परिवहन विभाग द्वारा 9.51 प्रतिशत अधिक राजस्व अर्जन

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से परिवहन विभाग द्वारा भी गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष 9.51 प्रतिशत अधिक राजस्व अर्जन हुआ है। साथ ही, ग्रीन टेक्स से आय में भी वृद्धि हुई है। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऑवरलोडिंग वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही, कीकल स्कैनिंग का भी व्यवस्थित निगरान किया जाए।

अवैध खनन पर रोकथाम के लिए करें सख्त कार्रवाई

बैठक में बताया गया कि पंजीयन एवं मुद्रांक द्वारा डीएलसी दरों में किए गए सुधारों से इस वर्ष गत वर्ष की तुलना में स्टॉप इयूटी से अर्जित राजस्व समान अवधि में 16.34 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं खनन पट्टों की नीलामी से राजस्व अर्जन पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 12 प्रतिशत बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विभाग द्वारा अवैध खनन पर पूर्ण रोकथाम के उपाय किए जाएं तथा इस कार्य में लिस लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग को संपत्तियों के पंजीयन की प्रक्रिया सरल करने और आमजन को अधिक से अधिक राहत पहुंचाने के भी निर्देश दिए।

आमेर में बनेगा महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल अवसरचना और प्रशिक्षण सुविधाएं होंगी विकसित

महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय, जयपुर विधेयक, 2025 ध्वनिमत से पारित

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

जयपुर। आमेर में महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय की स्थापना होगी। इसके लिए लगभग 2 लाख वर्ग मीटर भूमि चिन्हित कर ली गई है। वहां चारदीवारी का निर्माण भी शुरू हो गया है। इसकी स्थापना में 101 करोड़ रूप से अधिक की लागत आएगी। इस विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स साइंसेज, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स

कोचिंग, स्कूल ऑफ फिजिकल एजुकेशन, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ एंड्रेंचर स्पोर्ट्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन व प्रशिक्षण प्राप्त कर नवाचार कर सकेंगे। साथ ही, बायोगैनेटिक्स, फिजियोथैरेपी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, डेटा एनालिसिस, स्पोर्ट्स मेडिसिन और न्यूट्रिशन साइंस में करियर बनाने में भी यह विश्वविद्यालय मददगार बनेगा। विधान सभा में मंगलवार को महाराणा प्रताप खेलकूद विश्वविद्यालय जयपुर विधेयक, 2025 ध्वनिमत से

पारित हुआ। विधेयक पर चर्चा के बाद युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इसकी स्थापना के लिए बजट वर्ष 2024-25 में घोषणा की गई थी। इसके जरिए शारीरिक शिक्षा और खेलकूद के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान को प्रोत्साहन मिलेगा। प्रशिक्षक और खेल विशेषज्ञ तैयार किए जाएंगे। इस विश्वविद्यालय का अधिकार क्षेत्र सम्पूर्ण राज्य रहेगा। इससे राज्य में खुलने वाले कोई भी खेल महाविद्यालय संबद्ध हो सकेंगे। शुरूआत में सभी सम्भागों से 1-1 खेल महाविद्यालय संबद्ध करने का प्रावधान किया गया है।

हायपरबैरिक ऑक्सीजन थेरेपी (HBOT)

निम्न बीमारियों में अतिभावायक

- सेरेब्रल पाल्सी, आर्टिज्म
- अचानक बहरापन (SNHL)
- आंतों में सूजन/घाव (Ulcers/Collitis)
- असाध्य घावों का भरना
- अमृदेशन में बचाव (हार्डबैटिक फुट)
- मरिचक चोट, पक्षघात में फायदा
- रेडियोथैरेपी के बाद
- उम्र में ठहराव (Anti-Ageing)
- बीमारियों से बचाव (Preventive)



नेशनल हायपरबैरिकस रिसर्च सेन्टर

Site 1 : 594-B-C, जैम्स कॉलोनी, मंदिर मोड, विद्याधर नगर सैक्टर-3, जयपुर - 302039
Site 2 : फोर्टिस हॉस्पिटल, मालवीय नगर, जयपुर - 302017
फोन : 0141-2339348, 2236895 मो. - 70737-77133, 98290-17133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल (M.B.B.S., M.D.) मो. - 99833-17133

JK Super Cement
Salutes the Nation
जागरूक जनता
के 12वें स्थापना दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ

Weather Shield
JK SUPER STRONG
BUILD SAFE

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे हैं ?
देखी दिल के लिये, दाढ़ी वाला देखी तेल...

Kabira
Healthy Growth
Yellow Mustard Oil

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परस्मा।

- ▶ प्राचीन शीतल विधि घाणी से निर्मित।
- ▶ निर्माण विधि उच्च ताप रहित।
- ▶ निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- ▶ केन्सर को रोकने में लाभदायक।*
- ▶ मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक।
- ▶ एसीडीटी एवं गॉस्टिक रोगों में मददगार।
- ▶ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में लाभदायक।
- ▶ केवल देसी सरसों द्वारा निर्मित।
- ▶ मोटापा घटाने में लाभदायक।
- ▶ बालों के लिए एक उत्तम तेल।
- ▶ ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर।
- ▶ तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी।
- ▶ अनेक औषधीय गुणों से भरपूर।
- ▶ सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स।*
- ▶ छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कौनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेंड्ड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेब्रुई मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सएप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएँ 590 ₹. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बैग बिलकुल **Free**
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दियावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

Manishankar Oils Pvt Ltd
Awards & Achievements

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
* In Reference to: Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)

91 98290 50738
www.manishankar oils.in

जागरूक जनता

ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें



ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

16वीं राज्य विधान सभा का पंचम सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

जयपुर @ जागरूक जनता। विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनांनी ने राजस्थान विधानसभा के पंचम सत्र को मंगलवार सायं 6 बजकर 06 मिनट पर अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। यह सर्वविदित तथ्य है कि ऑक्सीजन है तो मानव जीवन है। लेकिन जब शरीर के अंगों को पर्याप्त आक्सीजन नहीं मिलेगी तो ऊतक यानि शरीर की सूक्ष्म कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होने लगेंगी तो शरीर में भी कई प्रकार की असाध्य बीमारियां होने लगती हैं। ऐसे मामलों में हाइपरबारिक ऑक्सीजन थेरेपी (Hyperbaric Oxygen Therapy-HBOT) एक प्रभावी व रामबाण विकल्प के रूप में उभर रही है।



वरिष्ठ HBOT चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रमेश अग्रवाल ने चिकित्सा के बारे में बताया कि इस थेरेपी में मरीज को विशेष हाइपरबारिक चेंबर में बैठकर लगभग 90 मिनट तक नियंत्रित उच्च वायुदाब में शुद्ध ऑक्सीजन दी जाती है। इससे शरीर के प्लाज्मा में ऑक्सीजन की मात्रा 10 से



15 गुना तक बढ़ जाती है, जो उन ऊतकों तक भी पहुंचती है जहां सामान्य परिस्थितियों में ऑक्सीजन आपूर्ति नहीं हो पाती है। HBOT थेरेपी विशेष रूप से गहरे और नहीं भरे जा सकने वाले घाव, डायबिटिक फुट, गैंग्रीन, ब्रेन स्ट्रोक,



सेरेबल पाल्सी, रेडिएशन के दुष्प्रभाव, अचानक सुनने की क्षमता कम होना, सूजन, रक्त के थक्के और एंटी-एजिंग व सेल रिपेयर जैसी स्थितियों में कारगर पाई गई है। इस चिकित्सा से न केवल घाव भरने की प्रक्रिया को

यहां भी कर सकते हैं संपर्क
नेशनल हायपरबेरिक रिसर्च सेंटर
जेम्स कॉलोनी, मंदिर मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
फोटोस हॉस्पिटल, मालवीय नगर, जयपुर
डॉ. सुशीला तिवारी सरकारी हॉस्पिटल, हल्द्वानी, उत्तराखंड

तेज हो जाती है अपितु नई रक्तवाहिकाओं के निर्माण (Neoangiogenesis) में भी मदद होती है। इन्फ्लेमेशन को कम करता है, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है और सेलुलर स्तर पर पुनर्जीवन को बढ़ावा देता है। कई मामलों में यह सर्जरी की आवश्यकता को भी टाल देता है। परिचामी देशों में लंबे समय से चिकित्सा मान्यता प्राप्त यह पद्धति अब भारत में भी लोकप्रिय हो रही है और जटिल रोगों से जूझ रहे मरीजों के लिए नई उम्मीद साबित हो रही है। इस चिकित्सा के संबंध में डॉ. रमेश अग्रवाल से मो. नं. 9829017133 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

राजधानी में दौड़ेंगी 'डबल डेकर' बसें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

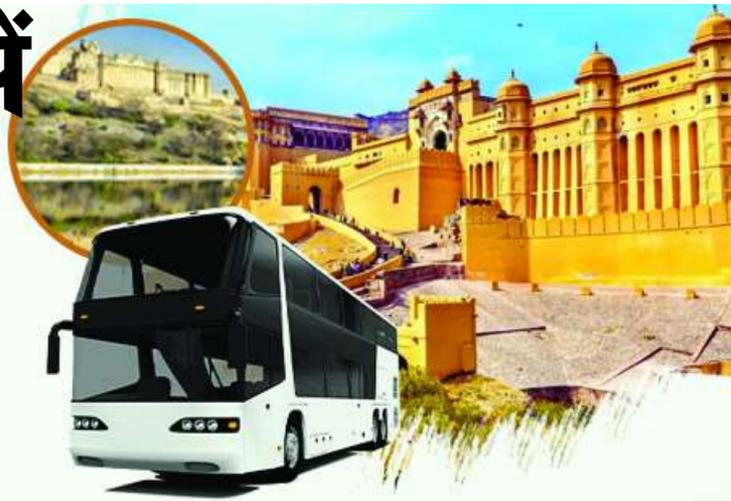
जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित प्रदेश के तीन बड़े शहरों की सार्वजनिक परिवहन में जल्द ही बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। दरअसल, सार्वजनिक परिवहन के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड ने 50 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक डबल-डेकर बसों की खरीद के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। खास बात यह है कि केंद्र की 'पीएम ई-बस सेवा' से इतर, इन डबल डेकर बसों का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

किन शहरों को कितनी बसें मिलेंगी?

योजना के अनुसार, कुल 50 बसों में से सव्वाधिक बसें इस तरह से अलग-अलग शहरों के हिस्से में आएंगी- जयपुर: 30 डबल डेकर बसें (शहर के प्रमुख मार्गों और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के लिए)। जोधपुर: 10 डबल डेकर बसें (पर्यटन स्थलों को जोड़ने के लिए)। उदयपुर: 10 डबल डेकर बसें (झीलों की नगरी के खूबसूरत रस्तों के अनुकूल)।

दिवापाली के आसपास होगी शुरू

जीसीटीएसएल के प्रबंध निदेशक नारायण सिंह के अनुसार, विभाग का लक्ष्य है कि दिवापाली (2026) के आसपास इन बसों की पहली खेप मिल जाए ताकि दिसंबर की सर्दियों वाले पीक टूरिस्ट सीजन से पहले इन्हें सड़कों पर उतारा जा सके।



पर्यटन और कनेक्टिविटी पर फोकस

इन डबल डेकर बसों का मुख्य उद्देश्य केवल परिवहन नहीं, बल्कि पर्यटन को बढ़ावा देना भी है। अधिकारियों के मुताबिक, इन बसों के रुट इस तरह तय किए जाएंगे कि वे जनता के लिए सुविधायुक्त हों।

रुट चयन की चुनौतियां, होगा सर्व

जयपुर के कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान के तहत 25 बस कार्टोरिडर प्रस्तावित हैं। हालांकि, डबल डेकर बसें चलाने से पहले प्रशासन पुराने फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज, अंडरपास और हाइट

बैरियर की जांच कर रहा है। बस की ऊंचाई को देखते हुए उन रुट्स को प्राथमिकता दी जाएगी जहाँ मार्ग में बाधाएं कम हों।

पर्यावरण के अनुकूल 'ग्रीन ट्रांसपोर्ट'

ये बसें पूरी तरह से इलेक्ट्रिक होंगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन शून्य होगा। राजस्थान सरकार का यह कदम 'नेट जीरो' लक्ष्य को दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इससे शहरों में शोर और वायु प्रदूषण कम होगा, जिससे निवासियों के जीवन स्तर में सुधार आएगा। जयपुर के निवासियों को बिना शोरगुल और आरामदायक के साथ-साथ समय अनुरूप ट्रांसपोर्ट की सुविधा मिल सकेगी।

सरोवर में 30 साल बाद फिर से बोटिंग शुरू हुई है, यहां अभी शिकारा बोट और हेरिटेज लुक वाली बोट भी शुरू होंगी

आमेर महल को अब झील के बीच से निहारेंगे पर्यटक, मावठा सरोवर में बोटिंग शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध आमेर आने वाले देशी-विदेशी सैलानियों को एक नए ऐतिहासिक तोहफे की सौगात मिली है। आमेर के मावठा सरोवर में रविवार से बोटिंग शुरू हो गई है। झील के बीच से आमेर महल का अद्भुत नजारा पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कश्मीर की डल झील की तर्ज पर पर्यटक मावठा झील में पैडल बोट, शिकारा और हाई स्पीड बोट का आनंद ले रहे हैं। बड़ी संख्या में पर्यटकों ने बोटिंग का आनंद लेते हुए आमेर की ऐतिहासिक धरोहर को देखने का अनुभव लिया। पर्यटकों में काफी उत्साह देखने को मिला। नाव में बैठकर पर्यटकों ने खूबसूरत नजारों को अपने कैमरों में कैद किया। नाव में बैठकर प्रो-वेडिंग शूट भी कर सकते हैं।

प्रोजेक्ट मैनेजर सुमित सिंह ने बताया कि आमेर के मावठा सरोवर में 30 साल बाद फिर से बोटिंग शुरू हुई है। शुरुआत में पैडल बोट, 18 सीटर बोट और रेस्क्यू बोट ही हैं। अभी शिकारा बोट, हेरिटेज लुक वाली बोट और अन्य बोट आना बाकी हैं। प्रो-वेडिंग के लिए स्पेशल बोट बनवाई जा रही है। अलग-अलग बोट के लिए अलग-अलग टिकट चार्ज रखे गए हैं। न्यूनतम 200 रुपए से लेकर अधिकतम 800 रुपए तक टिकट चार्ज है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से टिकट बुक करवा सकते हैं।



सरोवर में 30 साल बाद फिर से बोटिंग शुरू हुई है

सुरक्षा की दृष्टि से लाइफ जैकेट उपलब्ध करवाई जाएगी। चारों तरफ गोताखोर और सुरक्षकर्मी लगाए गए हैं। रेस्क्यू बोट की व्यवस्था की गई है। बोटिंग के साथ स्टेज पर कालबेलिया नृत्य समेत सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। पर्यटकों के लिए राजस्थानी लोक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां होंगी। मावठा झील के बीच से पर्यटक फोटो-सेल्फी ले सकते हैं। प्रो-वेडिंग शूट भी करवा सकते हैं। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को कश्मीर की तर्ज पर शिकारा बोटिंग का अनुभव मिलेगा। लोक संगीत के साथ लकजरी बोट पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। लोक संगीतों की मधुर धुनों के साथ सैलानियों ने बोटिंग के साथ राजस्थानी संस्कृति का अनुभव लिया।

स्वच्छता में ही नागरिकों के स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कुंजी निहित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत जयपुर जिले की समस्त नगरीय निकायों, रूडीप/अमृत 2.0 परियोजना तथा जल जीवन मिशन से संबंधित अधिकारियों की कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को नगर निगम जयपुर के सभागार में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) राजस्थान के ब्रांड एम्बेसडर श्री के.के. गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया।



कार्यशाला को संबोधित करते हुए ब्रांड एम्बेसडर गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता में ही राष्ट्र के नागरिकों के स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कुंजी निहित है। स्वच्छता एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि वर्षभर निरंतर किया जाने वाला पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में जयपुर को गढ़वा, गंदगी एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने का लक्ष्य हम सभी का होना चाहिए। स्वच्छता कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि

जयपुर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए सभी निकायों में संबंधित अधिकारियों के साथ-साथ मोहल्लों में रहने वाले आम नागरिकों को भी जोड़ते हुए क्वार्टर पर पर्यटकों के आधार पर नियमित रूप से किया जाना चाहिए। उन्होंने स्वच्छता को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जोर दिया, जिनमें 100 प्रतिशत कचरा संग्रहण, गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण, समयबद्ध तरीके से वर्ष के 365 दिन कचरा उठाव, जीपीएस के माध्यम से मॉनिटरिंग तथा सॉफ्टवेयर के माध्यम से पेनल्टी की व्यवस्था शामिल है। इसके अलावा उन्होंने सार्वजनिक शौचालयों एवं मूत्रालयों की दिन

में तीन बार सफाई (जॉईंटो टैड फोटो के माध्यम से मॉनिटरिंग), खाली भूखंडों की सफाई नहीं होने पर पेनल्टी एवं सौज करने की कार्रवाई, व्यावसायिक क्षेत्रों में नियमित रात्रिकालीन सफाई, बिजली के पोलों पर प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखना, बेसहारा गायों को गौशालाओं में पहुंचाना, नालियों की हार्ड-पेशर मशीन से सफाई, बाग-बगीचों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना तथा नगरीय निकायों में प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय स्त्री चिंतन: समकालीन धारणा और भविष्य की दिशा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर के शोध एवं प्रकाशन विभाग, आई.क्यू.ए.सी. व महिला प्रकोष्ठ एवं समाज एवं संस्कृति अध्ययन केन्द्र, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय स्त्री चिंतन: समकालीन धारणा और भविष्य की दिशा' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।



इस सत्र के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष, समाज एवं संस्कृति अध्ययन केन्द्र, राजस्थान के संयोजक डॉ. अमित झालानी, सह समन्वयक डॉ. शुचि चौहान, महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष महेन्द्र अग्रवाल, प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा, उप प्राचार्य डॉ. सतीश चन्द मंगल, शोध विभाग की प्रभारी एवं संगोष्ठी समन्वयक डॉ. रेणु शर्मा मंचासीन रहे। डॉ. शुचि चौहान ने प्रस्ताविकी के माध्यम से इस संगोष्ठी की रूपरेखा बताई। डॉ. अमित झालानी ने समाज एवं संस्कृति अध्ययन केन्द्र के परिचय के साथ संगोष्ठी के औचित्य पर विस्तृत प्रकाश डाला। प्रो. रीटा शर्मा ने महाविद्यालय के परिचय के साथ वर्तमान समाज की स्थितियों की स्थिति से अवगत कराया। प्रसिद्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविद डॉ. इन्दुशेखर तत्पुरुष ने अपने उद्बोधन में बताया कि भारतीय संस्कृति विभिन्न वर्गों एवं समुदायों के संघर्ष की संस्कृति नहीं है। भारतीय समाज में वैदिक काल से ही एक वर्ग द्वारा दूसरे वर्ग के उत्थान का प्रयास किया गया। उन्होंने विभिन्न प्रसंगों में समाज से अपने कथनों को पुष्ट किया। डॉ. रेणु शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। द्वितीय तकनीकी सत्र एवं समापन सत्र में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध शिक्षाविद विरेन्द्र पाण्डेय एवं सुश्री नीलु शेखावत एवं डॉ. शकुन्तला खत्री मंचासीन रहे। इस सत्र में वक्ताओं द्वारा विषय से संबंधित चिन्तन एवं विचार-विमर्श किया गया। शोधार्थियों द्वारा पत्र वाचन किए गए। अंत में राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

भारतीय ज्ञान परंपरा और एआई पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

जयपुर @ जागरूक जनता। श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली में भारतीय ज्ञान सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित 'भारतीय ज्ञान परम्परा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता: समकालीन शिक्षा की नई दिशा' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय, कुलगुरु, हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विवि सत्र के अध्यक्ष डॉ. रामकरण शर्मा (उपाध्यक्ष, केशव विद्यापीठ समिति) के साथ समिति के सचिव मेघसिंह चौहान, संयुक्त सचिव अशोक कुमार गुप्ता, महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष महेन्द्र कुमार अग्रवाल, सचिव प्रो. दीपिका चिंजयवर्गीय, महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. रीटा शर्मा, उप प्राचार्य डॉ. सतीश चन्द मंगल, संगोष्ठी समन्वयक डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा मंचासीन रहे।

गर्मी के सीजन में पर्याप्त रहेगी जलापूर्ति - जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल ने विधानसभा में कहा कि पूर्व सरकार के कार्यकाल में जल जीवन मिशन में हुए कार्यों में कई कमियां मिली हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विधियों के हिलानफूट को रोका जायेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि रानीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में इस गर्मी के सीजन में पर्याप्त व्यवस्था को निर्वाह रखने के हर समय प्रयास किए जाएंगे।

RAJASTHAN STATE GANAGANAGAR SUGAR MILLS LIMITED
Regional Office: CENTER OF EXCELLENCE FOR BIYAPUR RESURCU & ANALYTICS FACILITATION
5th FLOOR, NEAR ARANYA BHAWAN, JHALANA DOONGRI JAIPUR RAJ
Central R.C.:Jhotwara, Jaipur OPP.DeherKalajali Railway Station. Ph.No.-0141-2233849, 853;
Fax No.- 0341-2236540 Website: www.rajexise.gov.in Email ID: jalpurrc.rgs@gmail.com/rajasthan.gov.in
GST NO. : 08AAACR896R22M CIN : U15421R1945GG000285

क्रमांक: एफ/आरएएसजीएसएम/2025-26 / दिनांक : 10.03.2026
खुली निविदा सूचना
केन्द्रीय मद्रिरालय झोटवाड़ा, जयपुर पर पॉल्थून कन्ट्रोल बोर्ड के नियमों के तहत वीओटी हॉल में स्थापित मशीनों के ध्वनि प्रदूषण को कम (55 डीबी से कम) करने हेतु कार्य करवाया जाना है दरदाताओं से दरें दिनांक 17.03.2026 को दोपहर 02:00 बजे तक प्राप्त की जाकर दिनांक 18.03.2026 को दोपहर 04:00 बजे तकनीकी बिड एवं तकनीकी बिड कि सफल निविदादाताओं कि वित्तीय बिड दिनांक 20.03.2026 को दोपहर 02:00 बजे उपरिथत दरदाताओं को समक्ष खोले जावेगी। इच्छुक व्यक्ति पोर्टल वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर दिये गये UBN No G5M2526GSLB00125 से अपलोड निविदा की शर्तें एवं विवरण इत्यादि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
प्रभारी मद्रिरालय

सरसों एवं चना की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद रजिस्ट्रेशन 15 से खरीद 25 से

जागरूक जनता नेटवर्क
jagruckjanta.net

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दत्त ने बताया कि भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त हो जाने के बाद राजफंड द्वारा रबी-2026 के अंतर्गत सरसों एवं चना की समर्थन मूल्य पर खरीद शीघ्र शुरू की जा रही है। उन्होंने बताया कि राजफंड के चार क्षेत्रीय कार्यालयों कोटा, अजमेर, भरतपुर एवं श्रीगंगानगर में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 15 मार्च से एवं खरीद 25 मार्च से शुरू होगी। जबकि, शेष चार क्षेत्रीय कार्यालयों जयपुर, जोधपुर, उदयपुर एवं बीकानेर में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 20 मार्च एवं खरीद 1 अप्रैल से शुरू होगी।

दत्त ने बताया कि भारत सरकार द्वारा सरसों का न्यूनतम समर्थन मूल्य 6,200 रुपये प्रति क्विंटल एवं चना का समर्थन मूल्य 5,875 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। राज्य में सरसों की 13.78 लाख मीट्रिक टन एवं चना की 5.53 लाख मीट्रिक टन खरीद की सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि जिलेवार सीमा ऑनलाइन उपलब्ध करा दी गई है। अजमेर, जोधपुर, बीकानेर एवं कोटा क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत आने वाले 19 जिलों में एनसीसीएफ द्वारा एवं जयपुर, उदयपुर, श्रीगंगानगर एवं भरतपुर क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत आने वाले 22 जिलों में नेफेड द्वारा खरीद कार्य करवाया जाएगा। सहकारिता मंत्री ने बताया कि सरसों एवं चना विक्रय के इच्छुक किसान स्वयं क्यूआर कोड स्कैन कर अथवा ई-मित्र के माध्यम से पंजीकरण करवा सकेंगे। समर्थन मूल्य पर खरीद किसानों की आधार आधारित बायोमीट्रिक पहचान के माध्यम से ही की जाएगी। भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार नेफेड और एनसीसीएफ के लिए समर्थन मूल्य पर खरीद 60 दिवस की अवधि में की जाएगी।

राजस्थान दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने ली बैठक

जन सहभागिता से भव्य, गौरवमय बनाये समारोह-मुख्य सचिव

प्रदेशभर में 15 से 19 मार्च तक जनजातीय गौरव दिवस, युवा शक्ति दिवस, विकसित राजस्थान रन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विवज सहित विविध कार्यक्रमों का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagruckjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर शासन सचिवालय में बैठक ली। राजस्थान दिवस समारोह का शुभारंभ 15 मार्च को होगा। समारोह के तहत प्रदेशभर में 15 से 19 मार्च तक विकसित राजस्थान रन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्रिकेट सहित विविध कार्यक्रम होंगे। 18 मार्च को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा महाभारती करेंगे। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को आमजन के साथ ही सभी विभागों की भागीदारी के साथ समारोह को भव्य बनाने के निर्देश दिये। राजस्थान दिवस समारोह के तहत जयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 15 मार्च को राज्य स्तरीय विकसित राजस्थान रन का फ्लैग ऑफ किया जाना प्रस्तावित है। राजस्थान दिवस समारोह के अवसर पर सभी राजकीय कार्यालय एवं भवन भी रोशनी से जगमगायेंगे। मुख्य समारोह 19 मार्च को जालौर में होगा।

15 मार्च 'राजस्थान को जाने' विवज समारोह का औपचारिक शुभारंभ 15 मार्च को



'राजस्थान को जाने' क्रिकेट के साथ होगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय एवं कॉलेजों में निबंध, भाषण एवं चित्रकारी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। जयपुर में राज्य स्तरीय एवं समस्त जिलों में जिला स्तरीय ओ.डी.ओ.पी. मेले व प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा।

16 मार्च को राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस

बेणेश्वर धाम, वांसवाड़ा में राजस्थान जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया जायेगा, जहां जनसभा एवं प्रतियोगिताओं के साथ संवाद, विकास कार्यों का शिलान्यास एवं जनजातीय कला एवं हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा।

17 मार्च को राजस्थान युवा शक्ति दिवस

17 मार्च को राजस्थान युवा शक्ति दिवस के रूप में मनाया जायेगा, जहां जयपुर में राज्य स्तरीय युवा सम्मेलन में रोजगार भेद, विकास कार्यों का शिलान्यास किया जायेगा। साथ ही, इस दिन सभी जिलों में 'राजस्थान को जाने' क्रिकेट का आयोजन होगा। इसी दिन सायं 5 बजे उद्योग विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उद्योगपतियों के साथ संवाद एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए एम्प्लॉयमेंट लेटर हस्तांतरण कार्यक्रम आयोजित होगा।

18 मार्च को मुख्यमंत्री करेंगे महाभारती

18 मार्च को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा महाभारती के साथ विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेश की समृद्धि की कामना की जायेगी। साथ ही, जनप्रतिनिधियों द्वारा राज्य भर में देवस्थान विभाग के मदिरों में आरती व पूजा कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसी दिन किसान एवं पशुपालक समृद्धि दिवस के रूप में मनाया जाएगा, भरतपुर में किसान एवं पशुपालक जनसभा में किसान एवं पशुपालक संवाद और विभिन्न कार्यों का शिलान्यास होगा।

19 मार्च को राजस्थान दिवस का मुख्य समारोह जालौर में

19 मार्च को राजस्थान दिवस का मुख्य समारोह जालौर में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है, जहां लाभार्थियों के साथ संवाद एवं लाभ हस्तांतरण किया जायेगा। राजस्थान दिवस मुख्य समारोह के अंतर्गत जयपुर में कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। साथ ही, सभी जिलों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का समापन भव्य आतिशबाजी के साथ किया जायेगा।

राजस्थान पुलिस अकादमी में महिला जनसुनवाई का शुभारंभ



जागरूक जनता नेटवर्क
jagruckjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग ने इस वर्ष के अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नई पहल की है। इसके अन्तर्गत देशभर में 9 से 14 मार्च तक महिला सुनवाई अभियान चलाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा सुनिश्चित करने के साथ उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान करना है। जयपुर में इस अभियान का नेतृत्व व निर्देशन करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहटकर पधारी हैं। उन्होंने जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहटकर ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर 9 से 14 मार्च तक महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके तहत देश के लगभग 500 जिलों में महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान करने का लक्ष्य रखा गया है। इस

अभियान के माध्यम से करीब 15 हजार महिलाओं की शिकायतों और समस्याओं के निस्तारण का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला जनसुनवाई जैसे कार्यक्रम महिलाओं को अपनी बात रखने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करते हैं तथा इससे उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान में मदद मिलती है। इस दौरान विजया रहटकर ने जयपुर जिले के 22 पंजीकृत केस एवं 31 अपंजीकृत केस का मौके पर ही निस्तारण करवाया। रहटकर ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इस प्रकार की जनसुनवाई से महिलाओं को न्याय दिलाने की प्रक्रिया और अधिक सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पुलिस आयुक्त जयपुर सचिन मित्तल, पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशी डोगरा डुडी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने भी महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनकी शिकायतों का समाधान किया।

मुख्यमंत्री ने ली उच्च स्तरीय बैठक: आधारभूत सुविधाओं का सुनियोजित विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

गांव से लेकर शहर तक समग्र एवं योजनाबद्ध विकास हो सुनिश्चित- मुख्यमंत्री शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagruckjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधारभूत सुविधाओं का सुनियोजित विकास कर आमजन के जीवन को बेहतर बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को लेकर सभी विभाग समन्वय से कार्य करें, ताकि आमजन को समयबद्ध रूप से पूरा लाभ पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 'विकसित राजस्थान@2047' के विजन के अनुरूप योजनाबद्ध विकास के लिए प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायत स्तर से लेकर शहरी नगर निकाय एवं जिला स्तर तक के लिए मास्टर प्लान की कार्ययोजना बनाकर शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित



किया जाए। शर्मा ने कहा कि 'डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ग्राउंड जीरो पर जाकर पानी, बिजली, सड़क, शिक्षा एवं चिकित्सा जैसी सभी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का सर्वे किया जाए, जिससे संसाधनों का अधिकतम सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा

कि सड़क, सीवरेज, शुद्ध पेयजल और निबंध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी अवसरचरणा विकास से जुड़ी योजनाओं और नीतियों का केंद्र बिंदु है। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवासन, स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर विकास प्राधिकरण एवं राजस्व विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान के 2.15 लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को मिला पीएम स्वनिधि योजना का लाभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagruckjanta.net

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ द्वारा राज्यसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना देशभर के लाखों रेहड़ी-पटरी और छोटे व्यापारियों के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनकर उभरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू की गई यह योजना छोटे व्यापारियों को सस्ती ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राज्यसभा में 9 मार्च 2026 को राज्य मंत्री द्वारा दिए उत्तर के अनुसार इस महत्वकांक्षी योजना को 31 मार्च 2030 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिससे अधिक से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को सुलभ ऋण और डिजिटल

भुगतान की सुविधा मिल सकेगी। सरकार ने योजना के तहत पहली ऋण किस्त को बढ़ाकर 15,000 रुपये और दूसरी किस्त को 25,000 रुपये तक कर दिया है, जिससे छोटे व्यापारियों को अपने व्यवसाय के विस्तार में अधिक सहायता मिल सके। साथ ही डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए योजना के अंतर्गत यूपीआई से जुड़ा रुपे क्रेडिट कार्ड भी शुरू किया गया है, जिसकी शुरुआत 23 जनवरी 2026 को हुई। अब तक देशभर में 24,927 से अधिक कार्ड जारी किए जा चुके हैं। 1 मार्च 2026 तक देश में 73.8 लाख वेंडर्स को पहली किस्त, 28.5 लाख को दूसरी किस्त और 7.2 लाख को तीसरी किस्त का लाभ प्राप्त हो चुका है। राजस्थान में भी इस योजना के सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार राज्य में 2,15,769 लाभार्थियों को पहली किस्त, 62,735 को दूसरी किस्त और 9,652 को तीसरी किस्त का लाभ मिला है। मदन राठौड़ ने कहा कि मोदी सरकार की यह योजना रेहड़ी-पटरी व्यापारियों को आर्थिक मजबूती देने, उन्हें औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़ने और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में चौकीदार और रसोइयों की सेवाएं संवेदक द्वारा जॉब बेसिस पर ली जाती हैं- गहलोल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagruckjanta.net

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोल ने कहा है कि विभाग द्वारा संचालित राजकीय छात्रावासों में विद्यार्थियों की सुरक्षा और भोजन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए संवेदक द्वारा जॉब बेसिस पर रसोइयों और चौकीदारों की सेवाएं ली जाती हैं। मंत्री गहलोल ने स्पष्ट किया कि विधानसभा में दिए गए उत्तर में विभाग के स्वीकृत पदों की स्थिति के संबंध में जानकारी दी गई थी। विभाग के स्वीकृत पदों के विरुद्ध कोई अंशकालीन कर्मचारी नियुक्त नहीं है। हालांकि, छात्रावासों में भोजन व्यवस्था को प्रभावी न होने देने के लिए स्थानीय स्तर पर मान्यदेय अथवा समय-आधारित व्यवस्था के माध्यम से संवेदक द्वारा रसोइयों और चौकीदारों की सेवाएं ली जाती हैं, जो प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा है। गहलोल ने कहा कि वर्तमान में विभाग द्वारा संचालित राजकीय छात्रावासों में रसोइयों एवं चौकीदारों के स्वीकृत पदों के विरुद्ध अंशकालीन रसोइया या चौकीदार कार्य नहीं कर रहे हैं।

भारतीय पुलिस सेवा के एक अधिकारी के विरुद्ध दण्ड की मात्रा बढ़ाने का किया अनुमोदन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भ्रष्टाचारमुक्त और पारदर्शी सुशासन की दिशा में भ्रष्ट एवं अनुशासनहीन लोक सेवकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

जागरूक जनता
jagruckjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए जवाबदेहिता और पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है। इसी दिशा में जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता एवं भ्रष्टाचार के दोगो कार्यों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने अभियोजन स्वीकृति, 17-ए एवं विभागीय जांच के 50 से अधिक प्रकरणों को निस्तारित किया। शर्मा ने निजी व्यक्तियों के पक्ष में गैर

कानूनी तरीके से आदेश पारित कर अवैध लाभ पहुंचाने के आरोपों में तत्कालीन उपखण्ड अधिकारी सहित सार्वजनिक निर्माण एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के दो अधिकारियों के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति दी। कृषि उपज मण्डी समिति के तत्कालीन सचिव राज्य सेवा से पदच्युत- साथ ही, न्यायालय से दोषसिद्ध होने के आधार पर कृषि उपज मण्डी समिति के तत्कालीन सचिव को राज्य सेवा से पदच्युत किया गया तथा निरन्तर लंबी अनुपस्थिति के आधार पर एक अन्य अधिकारी को राजकीय सेवा से

हटाया गया। इसी प्रकार उन्होंने पद के दुरुपयोग, अनियमित भुगतान एवं राजकोष को हानि पहुंचाए जाने के आरोपों के तहत तत्कालीन विकास अधिकारी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 की धारा 17-ए के तहत विस्तृत जांच एवं अनुसंधान का भी अनुमोदन किया। राज्य सेवा के 27 अधिकारी गंभीर आरोपों में दो से चार वेतन वृद्धियां संचयी प्रभाव से रोके जाने की शास्ति से दण्डित से दण्डित किया। पांच प्रकरणों में सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन रोकने का अनुमोदन-शर्मा ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के पांच प्रकरणों में पेंशन रोकने तथा अन्य नौ प्रकरणों में प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन करते हुए राज्यपाल को प्रकरण अग्रहित किए।

से दण्ड की मात्रा बढ़ाने का अनुमोदन किया। साथ ही, राज्य सेवा के अधिकारियों के विरुद्ध संचालित सीसीए नियम-16 में गंभीर आरोपों के 23 प्रकरणों में 27 अधिकारियों के विरुद्ध दो से चार वेतन वृद्धियां संचयी प्रभाव से रोके जाने की शास्ति से दण्डित किया। पांच प्रकरणों में सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन रोकने का अनुमोदन-शर्मा ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के पांच प्रकरणों में पेंशन रोकने तथा अन्य नौ प्रकरणों में प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन करते हुए राज्यपाल को प्रकरण अग्रहित किए।

जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज के दिव्य प्रवचन एवं मधुर संकीर्तन निम्न TV चैनल पर अवश्य श्रवण करें

सुश्री श्रीधरी दीदी

NEWS 18 इंदिया: प्रतिदिन (सा.क.) EVERY DAY 5:30 AM

न्यूज 24: प्रतिदिन (सा.क.) EVERY DAY 6:00 AM

भारत समाचार: प्रतिदिन (सा.क.) EVERY DAY 6:50 AM

साधना: प्रतिदिन (सा.क.) EVERY DAY 8:15 AM

संस्कार: सोम-शनि (रा.क.) MON - SAT 8:30 PM

You Tube JagadguruKripaluJiMaharaj

You Tube ShreedhariDidi

JETHI TECH SOLUTIONS

Follow Us: @jethitech

ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price

Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/- With FREE Control Panel @ 12 Paise Per SMS LIFETIME VALIDITY

START-UP PACKAGE

Dynamic Website + Domain & Hosting(1 Year) + Social Media Profile Creation + Social Media Management* (1 Year) + 3 WhatsApp Stickers + WhatsApp Chat Direct Link + Local Business Listing + Logo Design

All For Just Rs.35,000/- + GST

Wedding Invitation

1 Invitation Video for Whatsapp 10,000 Bulk SMS 1 Social Hashtag Creation 1 Whatsapp Direct Chat Link 1 Landing Page Send Digital Invitations At One Click

Digital Branding/Marketing

★ Youtube Marketing ★ Digital Marketing ★ Whatsapp Marketing ★ Bulk SMS Marketing

★ Website Development ★ Android Development ★ Software Development ★ Social Media Management

Corporate Branding/Identity

★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs ★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts ★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Partner

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12 USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA +91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

टी-20 विश्व कप क्रिकेट में भारत की बादशाहत

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दुनिया ने भारतीय क्रिकेट को जो चमक देखा, वह यकायक नहीं थी। यकायक चमक ऐसी होती भी नहीं है, क्योंकि वह फुर से आती है और फुर से ही आंखों से ओझल हो जाती है। यह चमक तो रोशनी का वह पुंज था, जो सदा से जगमगा रहा था। इसका प्रकाश कभी सदिरथ या क्षणिक नहीं था। चिरस्थायी नहीं तो दीर्घकालिक तो जरूर था और यह हमारी टीम को विश्व चैंपियन बनाने के लिए काफी था। टीम को विश्व

पूरे टूर्नामेंट में भारत केवल एक बार परेशानी में आया, जब सुपर एट के ग्रुप मैच में दक्षिण अफ्रीका ने उसे शिकस्त दी। लेकिन इसके बाद जो उसका विजय रथ चला तो वह खिताब पर ही आकर रुका। भारत की इस जीत ने कई मिथक भी तोड़े और कई रिकॉर्ड भी कायम किए

2024 में विश्व कप जीतने के बाद से ही टीम इस बार के टूर्नामेंट की तैयारियों में लग गई थी। इस अरसे में टीम ने इलेक्ट्रॉनिक आज़मा लिए कि किसी भी तरह की परिस्थिति उसके लिए अपरिचित नहीं रहे। हर परिस्थिति में समग्र तौर पर टीम का प्रदर्शन ऊंचा बनाए रखने में इसने महारत हासिल कर ली। इसी बूते भारत निर्विवाद रूप से चैंपियन बनकर सामने आया। पूरे टूर्नामेंट में भारत केवल एक बार परेशानी में आया, जब सुपर एट के ग्रुप मैच में दक्षिण अफ्रीका ने उसे शिकस्त दी। लेकिन इसके बाद जो उसका विजय रथ चला तो वह खिताब पर ही आकर रुका। भारत की इस जीत ने कई मिथक भी तोड़े और कई रिकॉर्ड भी कायम किए। मिथक यह था कि इससे पहले किसी देश ने लगातार दो बार यह खिताब नहीं जीता था। वह अपने ही देश में चैंपियन बनने और तीसरी बार ताज सिर पर धारण करने वाला पहला देश भी बना। इस कायमबाबी को समूची भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम काल के रूप में निरूपित करना भी अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं होगा। एक दिवसीय क्रिकेट में भारत उप विजेता है। पिछली बार भारत फाइनल में नहीं आ सका था, अन्यथा उससे पहले लगातार दो बार टेस्ट क्रिकेट की विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में भी उसकी दस्तक रही। कहने का अर्थ है कि क्रिकेट का कोई भी प्रारूप हो, भारत एक दमखम वाले देश के रूप में ही देखा जाता है। भारत इस समय जूनियर विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का चैंपियन भी है। इसके साथ ही भारत वर्तमान में महिला क्रिकेट विश्व कप का सिरमौर भी है।

भारत में ईंधन की कीमतें बेंट कूड से जुड़ी हुई हैं। पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों की समीक्षा तेल विपणन कंपनियों द्वारा प्रतिदिन की जा सकती है। एपीएम (प्रशासित मूल्य निर्धारण तंत्र) गैस और एनडब्ल्यूजी (नए कुओं से निकलने वाली गैस) की कीमतों की समीक्षा हर छह महीने में की जाती है।

क्या फिर लौट रहा है 1939 जैसा दौर?

» जागरूक जनता | jagrukjanta.net

युद्ध और वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति के बीच कुछ समानताएँ स्पष्ट हैं। द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत अलग-अलग क्षेत्रीय संघर्ष से हुई जो अंततः एक विशाल वैश्विक संघर्ष में तब्दील हो गए। इतिहासकार द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत सितंबर 1939 से मानते हैं, जब जर्मनी (और सोवियत संघ) ने पोलैंड पर आक्रमण किया तथा ब्रिटेन और फ्रांस ने जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी। इसके बाद जर्मनी ने 1941 के मध्य में सोवियत संघ पर आक्रमण किया। जापान (और जर्मनी) ने दिसंबर 1941 में अमेरिका के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी, और यहीं से यह विश्व युद्ध में परिवर्तित हो गया।



इन्की मांग अपेक्षाकृत स्थिर रहती है। आपूर्ति में थोड़ी सी भी कमी से कीमतों में भारी उछाल आ सकता है। 20 फीसदी की आपूर्ति कमी को मामूली नहीं कहा जा सकता। एक अनिश्चितता यह है कि कुछ पता नहीं कि संघर्ष कितने समय तक चलेगा। होमजु स्ट्रेट के एक सप्ताह तक बंद रहने और ईरान में उत्पादन ठप होने से वार्षिक तेल उत्पादन का स्तर 2 फीसदी तक कम हो गया है। साथ ही, सऊदी अरब में कच्चे तेल की अतिरिक्त क्षमता का भी उपयोग नहीं किया जा सकता क्योंकि इसे होमजु स्ट्रेट से होकर गुजरना

दुनिया एक बार फिर विश्व युद्ध जैसे हालात और भीषण तेल संकट के मुहाने पर है। होमजु स्ट्रेट की बंदी भारत की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरों की घंटी है

सितंबर 1939 तक चीन और जापान ऐसे संघर्ष में उलझे हुए थे, जिसमें दस लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी थी। जर्मनी ने ऑस्ट्रिया और चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा कर लिया था। जापान और रूस मंगोलिया में युद्ध छेड़ चुके थे। स्पेन का गृहयुद्ध (1936-39) जर्मनी के सहयोगी जनरल फ्रैंको ने जीत लिया था। इटली ने अब के इथियोपिया, इरिट्रिया, सोमालिया और लीबिया पर आक्रमण कर दिया था। सोवियत संघ ने एस्टोनिया, लातविया और लिथुआनिया पर कब्जा कर लिया और फिनलैंड के एक बड़े हिस्से पर भी अपना अधिकार जमा लिया।

पिछले महीने यूक्रेन युद्ध को चार साल पूरे हो गए। अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ गाजा आक्रमण अभी जारी है। भारत और पाकिस्तान के बीच संक्षिप्त टकराव हुआ। पाकिस्तान अब अफगानिस्तान से लड़ रहा है। अमेरिका ने वेनेजुएला के तट पर नौकाएँ डुबो दीं और वहाँ के राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर लिया। इरान पर हमले और उसके अमेरिका के कई सहयोगी देशों पर जवाबी हमलों ने खाड़ी क्षेत्र को जंग के मैदान में बदल दिया है। तब भी और अब भी, ऊर्जा तक पहुंच रणनीतिक सोच को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में से एक थी। जापान ने 1941 में अमेरिका पर हमला किया क्योंकि उसने तेल की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था, और जापान अमेरिकी प्रशांत बड़े को नष्ट किए बिना इंडोनेशिया और मलाया से तेल

प्राप्त नहीं कर सकता था। जर्मनी ने 1941 में सोवियत संघ पर आक्रमण किया, जिसका एक कारण उसके तेल क्षेत्रों पर कब्जा करना था। ब्रिटेन और सोवियत संघ ने संयुक्त रूप से ईरान पर आक्रमण किया ताकि जर्मनी ईरान के तेल पर कब्जा न कर सके, और इसी कारण से ब्रिटेन और जर्मनी ने उत्तरी अफ्रीका में युद्ध लड़ा। होमजु स्ट्रेट फिलहाल जहाजों के आवागमन के लिए बंद है, जिससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का 20 फीसदी हिस्सा अवरुद्ध हो गया है। कतर ने अप्रत्याशित परिस्थितियों का हवाला देते हुए एलएनजी उत्पादन बंद कर दिया है। टैंकर किराये की दरें अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। बीमा कंपनियों ने शिपिंग प्रीमियम बढ़ा दिए हैं।

बेंट कूड वायदा 6 मार्च को 85 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जो 28 फरवरी को 60 डॉलर था। एलएनजी की कीमतें 28 फरवरी के 11 डॉलर प्रति एमएम बीटीयू (मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) से बढ़कर 6 मार्च तक 24 डॉलर हो गईं, जबकि गैस टैंकर चार्टर दरों में 600 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई। भारत के लिए गैस और कच्चे तेल का एक बड़ा हिस्सा होमजु स्ट्रेट से होकर आता है। अमेरिका ने भारत को अगले 30 दिन के लिए रूसी कच्चे तेल के आयात की अनुमति दे दी है, लेकिन यह अस्थायी व्यवस्था है। तेल एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरीदीप सिंह पुरी द्वारा 9 फरवरी को राज्य सभा में दिए गए बयान के अनुसार, भारत का आपातकालीन पेट्रोलियम भंडार 74 दिन तक चल सकता है। अन्य आकलन के अनुसार, आपातकालीन पेट्रोलियम भंडार 25 से 50 दिन तक चल सकता है। तेल और गैस आवश्यक वस्तुएं हैं।

पड़ता है। युद्धविराम नहीं हुआ तो हर हफ्ते होमजु स्ट्रेट के बंद रहने से वैश्विक आपूर्ति में लगभग 0.5 फीसदी की कमी आएगी। वैश्विक आपूर्ति-मांग का विश्लेषण करने वाले विश्वेश्वरों का कहना है कि अगर यह टकराव पांच-छह सप्ताह से अधिक चलता है, तो भंडार कम होने के कारण कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। कुछ मॉडलों के अनुसार, छह सप्ताह से अधिक समय बीतने पर गैस की कीमत 40 डॉलर प्रति एमएम बीटीयू तक और बेंट कूड की कीमत 220 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर जा सकती है। भारत में ईंधन की कीमतें बेंट कूड से जुड़ी हुई हैं। पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों की समीक्षा तेल विपणन कंपनियों द्वारा प्रतिदिन की जा सकती है। एपीएम (प्रशासित मूल्य निर्धारण तंत्र) गैस और एनडब्ल्यूजी (नए कुओं से निकलने वाली गैस) की कीमतों की समीक्षा हर छह महीने में की जाती है। यदि अप्रैल में गैस कीमत समीक्षा के समय होमजु स्ट्रेट बंद रहता है, तो कीमतों को फिर से निर्धारित करना एक बड़ी समस्या होगी। खुदरा कीमतों में अचानक वृद्धि से अर्थव्यवस्था मंदी की ओर जा सकती है। लेकिन खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने का मतलब है सब्सिडी का भारी बोझ। उर्वरक सब्सिडी में भी वृद्धि होगी। पूरी अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। भारत ने हर तेल संकट (1973, 1979, 1991) में मंती का सामना किया है और इस बार स्थिति अलग होने का कोई स्पष्ट कारण नहीं दिखता। 1 मार्च से पहले किए गए सभी बजट अनुमानों और व्यापार संतुलन अनुमानों की अब गहन समीक्षा की जाएगी, भले ही द्वितीय विश्व युद्ध से समानताएं अधिक स्पष्ट न हों।

स्त्री 'का' धन्यवाद

» जागरूक जनता | jagrukjanta.net

उन सभी पुरुषों का धन्यवाद जिसने महिला दिवस मनाने में और उसको साकार करने में और महिलाओं की राह आसान बनाने में योगदान दिया है, उनकी पथरीली राहों में हाथ पकड़ कर, या उनके रास्ते के पथर साफ करके उनकी मदद की है,



हैं हम रैश ड्राइविंग या कभी कभी zig zag ड्राइविंग करते हुए रोड पर गाड़ी चलाती हैं, उस समय अपनी गाड़ी को थोड़ा साइड देकर, उसके लिए रास्ता बनाने वाले को धन्यवाद, ऑफिस में काम करते हुए, गलतियाँ करते हुए, लैट आते हुए या जल्दी जाते हुए उसकी हिम्मत बनाने वालों को धन्यवाद, थकान को वजह से या सहैलियों के साथ घूमने जाने की वजह से खाना ना बना पाने पर रसोई में रसोईया बनने वाले को धन्यवाद, तैयार होने में समय लगने की वजह से गाड़ी में बैठकर इंतजार करने वाले को धन्यवाद, महिला को सबसेसफुल बनाने के लिए उसको सपोर्ट करने वाले को धन्यवाद।

उस गुरु को धन्यवाद जिसने अपनी शिष्या को शिक्षा के साथ सुरक्षित और सहज महसूस कराते हुवे उसका मनोबल बढ़ाया हो। अपनी माँ को zen z-



key words से अवगत करा कर अपग्रेड करने वाले बेटे को धन्यवाद, आगे बढ़ती बहन को देख खुश होते भाई को धन्यवाद, परिवार और रिश्तेदारी में बैठकर बेटे की जगह बहू की सराहना करते ससुर को धन्यवाद, परिवार में बेटों का पिता होने को सम्मान समझने वाले पिता को धन्यवाद, सहकर्मियों को, सहायकों को, परिवारजन को, रास्ते पर चलने वाले हर उस पुरुष को धन्यवाद जिसने एक स्त्री की राह आसान बनाई है। माना हम गाड़ी बहुत स्मूथ नहीं चला पाती हैं, क्योंकि शायद स्टैरिंग बहुत देर से हमारे हाथ आई है, माना ऑफिस के काम करने में गलती हो जाती है, क्योंकि कंप्यूटर भी हमें थोड़ा देर से मिला है आपकी तुलना में। माना फाइनेंस थोड़ा देर से समझ में आता है, माना अब जब समझ आया तो F1, बाइक राइड्स, बोर्डिंग स्टारलाइनर जैसे अन्तरिक्ष यात्रा का भी हिस्सा बनती है हम, अब ऑफिस में सीईओ और स्टार्टअप का हिस्सा बनती हैं हम, देश की अर्थ व्यवस्था संभाल कर फाइनेंस मिनिस्टर बनती हैं हम। शेफ, स्पोर्ट्स पर्सन, ड्राइवर, कंडक्टर अब हर क्षेत्र में अपना पचमक लहरा रही हैं हम। हमारे इस सफर को आसान बनाने के लिए और महिला को महिला दिवस मनाने के लिए प्रोत्साहित करने के वाले सभी को धन्यवाद।

आखर आखर झरे उजियार

याद आता है नियम कायदों का वो सम्मान

» जागरूक जनता | jagrukjanta.net

सम्पूर्ण सृष्टि चक्र नियम पर आधारित है, नियम से संचालित है। सुरुवात से सुरुवात ही पक्षियों का कलरव आरम्भ हो जाता है। प्रकृति खिली खिली हो जाती है। दुनिया जग जाती है, अपनी दिनचर्या में संलग्न हो जाती है। सौंझ होते ही पक्षी अपने नीड़ की ओर लौटने लगते हैं। इसीन भी अपने कार्य स्थल से घर आकर अपने घर परिवार को शिकार के बीच खुशी का इजहार करता है। रात होते ही चांद तारों की झिलमिल रोशनी हो जाती है और लोग सोने के समय पर नींद की गोद में विश्राम लेने चल पड़ते हैं। ये सब नियम से चल रहा है, नियम से चलता आ रहा है।



ज्योंही हम नियम का अतिक्रमण करते हैं, प्रकृति और परिस्थिति हमारे विपरीत होने लगती है। नियम का पालन जीवन में सामंजस्य का संगीत पैदा करता है। जब कि नियम का उल्लंघन विपदा के निमन्त्रण का कारण बन जाता है। इसलिए कहा जाता है कि लक्ष्मण रेखा लांघना कष्टकारी हो जाता है। वो लोग कितने आदर्श थे, जो हर परिस्थिति में नियमों का आदर सम्मान करते थे। उनके जीवन प्रसंग सचमुच आज भी प्रेरणा का संचार करते हैं। विश्वेश्वरैया को भारत रत्न की उपाधि सम्मान के समय राष्ट्रपति भवन में उद्घाटन किया गया। सम्मान पश्चात एक दिन वो डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद से बोले, अब मुझे इजाज़त दीजिए। महामहिम डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद ने कहा, ऐसी भी क्या जल्दी है। चले जाना। कुछ दिन रुकें रहें। मुझे आप से कुछ विमर्श भी करना है। विश्वेश्वरैया ने जवाब दिया, यदि ऐसा है तो कुछ दिन और रुक जाऊँगा, लेकिन अन्यत्र। डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद बोले, ऐसा क्यों? क्या आपको यहां कोई असुविधा तो नहीं हो रही? उनका उत्तर था, नहीं, नहीं। बात ये है कि राष्ट्रपति भवन में कोई भी अतिथि तीन दिन ठहर सकता है। मेरा तीन दिन का प्रवास पूरा हो गया है। मैं नियम भंग नहीं करना चाहता। अन्यत्र उठर जाऊँगा, जंग आप उचित समय में फोन पर सूचित करके मुझे बुलवा लेना। नियम निष्ठा के प्रति अटल भावना देख कर राजेन्द्र बाबू अभिभूत हो गए।

शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने जारी किया कार्यक्रम

महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में प्रवेश आवेदन 14 से, लॉटरी 25 को

जागरूक जनता नेटवर्क | jagrukjanta.net

एक अप्रैल से शिक्षण कार्य होगा प्रारंभ

जयपुर/बीकानेर। राजस्थान में महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों पर नया अपडेट आया है। शिक्षा सत्र 2026-27 के तहत महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) एवं राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में प्रवेश के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इन स्कूलों में प्रवेश के लिए 25 मार्च को लॉटरी निकाली जाएगी। शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने कार्यक्रम जारी कर बताया कि 14 से 23 मार्च तक प्रवेश के लिए आवेदन लिए जाएंगे। 24 मार्च को आवेदनों की सूची एवं कक्षावार रिक्त पदों की सूचना स्कूलों के नोटिस बोर्ड पर चप्सा की जाएगी।

कक्षा नर्सरी में सभी सीटों पर दिया जाएगा प्रवेश

सीताराम जाट ने बताया कि 25 मार्च को प्रवेश के लिए लॉटरी निकाली जाएगी। वहीं 27 मार्च को लॉटरी के माध्यम से चयनित विद्यार्थियों की सूची विद्यालय के नोटिस बोर्ड पर चप्सा की जाएगी। 28 मार्च से स्कूलों में प्रवेश कार्य शुरू किया जाएगा। एक अप्रैल से शिक्षण कार्य प्रारंभ होगा।

बियानी कॉलेज ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट में उत्साहपूर्वक मनाया महिला दिवस



जागरूक जनता नेटवर्क | jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी कॉलेज ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज की महिला स्टाफ का सम्मान किया गया और उनके योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में के दौरान कई रोचक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें गेम्स, नृत्य प्रस्तुतियाँ और वाद-विवाद प्रतियोगिता शामिल थीं। इन गतिविधियों ने पूरे परिसर में उत्साह और ऊर्जा का माहौल बना दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों को सम्मान देना और समाज में महिलाओं के महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना था। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. निखिल चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज महिलाएँ विश्वभर में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। उन्होंने बताया कि विज्ञान, शिक्षा, रक्षा और चिकित्सा जैसे अनेक क्षेत्रों में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें हमेशा महिलाओं का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि एक मजबूत राष्ट्र और समाज के निर्माण में महिलाओं की अहम भूमिका होती है। इस अवसर पर महिला स्टाफ सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। कार्यक्रम का समापन महिलाओं के सम्मान, सनातन और सशक्तिकरण के संदेश के साथ हुआ।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के पर्यावरण प्रकोष्ठ ने अल्पसंख्यक छात्रों की सेवा अफतार पार्टी

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर स्थित अल्पसंख्यक छात्रावास मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के पर्यावरण प्रकोष्ठ द्वारा सेवा अफतार पार्टी का आयोजन किया गया अफतार पार्टी में मुस्लिम छात्रावास की अनेकों रोजेदार छात्राओं ने समूह में सम्मिलित होकर सेवा अफतार में 'चैन ओ अमन' शांति की दुआ की इस शुभ अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच पर्यावरण प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. मनुज चोधरी, राजस्थान क्षेत्रीय (प्रदेश) स्वीजक समीर मलिक ने बताया कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक अखिल भारतीय स्वयं सेवा संघ राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार जी हैं और उन्होंने के सानिध्य में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं अफतार पार्टी में मंच की महिला प्रकोष्ठ राजस्थान क्षेत्रीय संयोजक आसेफा अली नकवी व डॉ. निखिल चोधरी भी उपस्थित रही।



ओपिनियन

डिजिटल भारत: महिलाएँ कितनी सशक्त

» जागरूक जनता | jagrukjanta.net

डिजिटल भारत को जब भविष्य की तस्वीर के रूप में पेश किया गया था, तब उम्मीद थी कि तकनीक समाज की असमानताओं को कम करेगी। महिलाओं के संदर्भ में यह उम्मीद और भी बढ़ी थी—घर की चारदीवारी से बाहर निकले बिना शिक्षा, रोजगार, बैंकिंग और अभिव्यक्ति का अवसर। बीते कुछ वर्षों में यह तस्वीर आंशिक रूप से सच भी साबित हुई है। आज भारत में करोड़ों महिलाएँ स्मार्टफोन, इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़ी हैं। वे ऑनलाइन पढ़ रही हैं, काम कर रही हैं, बोल रही हैं। लेकिन इसी डिजिटल स्पेस में एक स्याह सच भी छिपा है—जहाँ सशक्तिकरण के साथ-साथ नया शोषण भी जन्म ले रहा है। आज भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 80 करोड़ से अधिक है, जिनमें लगभग 35-40 प्रतिशत महिलाएँ हैं। राष्ट्रीय सैलिव सर्वे और एनएफएस - 5 जैसे सर्वे बताते हैं कि शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की डिजिटल पहुंच तेजी से बढ़ी है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह अभी भी सीमित है। फिर भी स्वयं सहायता समूहों, जन-धन खातों, यूपीआई और डिजिटल भुगतान ने ग्रामीण महिलाओं को भी धीरे-धीरे डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा है। बैंक जाने की मजबूरी कम हुई है, बिचौलियों पर निर्भरता घटी है और कई महिलाओं ने पहली बार

अपने नाम से वित्तीय लेन-देन किया है। यह निस्संदेह सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने महिलाओं को अभिव्यक्ति की आज़ादी भी दी है। सोशल मीडिया पर वे अपने अनुभव साझा कर रही हैं, सामाजिक मुद्दों पर बोल रही हैं और अपने हुनर को दुनिया के सामने रख रही हैं। ऑनलाइन शिक्षा और स्किलिंग प्लेटफॉर्म ने उन महिलाओं के लिए नए रास्ते खोले हैं, जो किसी कारणवश औपचारिक संस्थानों तक नहीं पहुँच पाईं। ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया आधारित छोटे व्यवसायों के जरिये हजारों महिलाएँ घर बैठे आय अर्जित कर रही हैं। डिजिटल इंडिया की यह तस्वीर उम्मीद जगाती है कि तकनीक महिलाओं के लिए बराबरी का औज़ार बन सकती है। लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी है। जैसे-जैसे महिलाएँ ऑनलाइन स्पेस में दिखने लगी हैं, वैसे-वैसे वे नए तरह के उपीड़न का शिकार भी हो रही हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आँकड़े बताते हैं कि साइबर अपराधों में महिलाओं को निशाना बनाए जाने के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऑनलाइन ट्रोलींग, साइबर स्टॉकिंग, अश्लील संदेश, डीपफेक वीडियो और फोटो मॉर्फिंग अब आम समस्या बनती जा रही हैं। कई मामलों में महिलाओं की निजी तस्वीरों का इस्तेमाल उन्हें डराने, बदनाम करने या ब्लैकमेल करने के लिए किया जाता है। डिजिटल शोषण की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह अदृश्य होता है। पीड़िता घर में बैठी होती है, लेकिन हमला उसकी मानसिक शांति पर होता है। कई युवा लड़कियाँ सोशल मीडिया पर अपनी पहचान बनाने से पहले सोचती हैं। कुछ महिलाएँ ऑनलाइन उत्पीड़न के डर से अपनी प्रोफाइल बंद कर देती हैं, अपनी आवाज़ दबा देती हैं। यह सशक्तिकरण नहीं, बल्कि एक नई तरह की चुपची है—जो तकनीक के नाम पर थोपी जा रही है। डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड में भी महिलाएँ तेजी से शिकार बन रही हैं। फर्जी कॉल, डिजिटल अरेस्ट, नकली लोन ऐप्स और सोशल इंजीनियरिंग के जरिये महिलाओं को डराकर या भावनात्मक रूप से फँसाकर ठगना जा रहा है। कई मामलों में जीवन भर की बचत मिनटों में साफ हो जाती है। खासकर ग्रहणियाँ और बुजुर्ग महिलाएँ इस शोषण के प्रति अधिक असुरक्षित हैं, क्योंकि डिजिटल साक्षरता अभी भी सीमित है। यह भी एक विडंबना है कि जिस डिजिटल स्पेस को बराबरी का मंच माना गया था, वहीं स्पेस कई बार पितृसत्तात्मक सोच को और तेज कर देता है। ऑनलाइन बहसों में महिलाओं को उनके विचारों से ज्यादा उनके कपड़ों, चरित्र और निजी जीवन पर जज किया जाता है।

डिजिटल शोषण की सबसे खतरनाक बात यह है कि यह अदृश्य होता है। पीड़िता घर में बैठी होती है, लेकिन हमला उसकी मानसिक शांति पर होता है। कई युवा लड़कियाँ सोशल मीडिया पर अपनी पहचान बनाने से पहले सोचती हैं। कुछ महिलाएँ ऑनलाइन उत्पीड़न के डर से अपनी प्रोफाइल बंद कर देती हैं, अपनी आवाज़ दबा देती हैं। यह सशक्तिकरण नहीं, बल्कि एक नई तरह की चुपची है—जो तकनीक के नाम पर थोपी जा रही है। डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड में भी महिलाएँ तेजी से शिकार बन रही हैं। फर्जी कॉल, डिजिटल अरेस्ट, नकली लोन ऐप्स और सोशल इंजीनियरिंग के जरिये महिलाओं को डराकर या भावनात्मक रूप से फँसाकर ठगना जा रहा है। कई मामलों में जीवन भर की बचत मिनटों में साफ हो जाती है। खासकर ग्रहणियाँ और बुजुर्ग महिलाएँ इस शोषण के प्रति अधिक असुरक्षित हैं, क्योंकि डिजिटल साक्षरता अभी भी सीमित है। यह भी एक विडंबना है कि जिस डिजिटल स्पेस को बराबरी का मंच माना गया था, वहीं स्पेस कई बार पितृसत्तात्मक सोच को और तेज कर देता है। ऑनलाइन बहसों में महिलाओं को उनके विचारों से ज्यादा उनके कपड़ों, चरित्र और निजी जीवन पर जज किया जाता है।



डॉ. मोनिका शर्मा | jagrukjanta.net

पंचांग

ज्योतिर्विद अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अंतरराष्ट्रीय स्वामी पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघडिया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 11/03/2026

सूर्योदय : 06:44 सूर्यास्त : 18:29 चन्द्रोदय : 01:02 चन्द्रास्त : 11:17 शक सम्वत् : 1947 विधावस विक्रम संवत् : 2082 कालयुक्त अमान्ता महीना : फाल्गुन पूर्णिमांत : चैत्र सूर्य राशि : कुम्भ चन्द्र राशि : वृश्चिक पक्ष : कृष्ण तिथि : अष्टमी, 28:20 तक वार : बुधवार द्विक ऋतु : वसन्त द्विक-वैदिक अयन : उत्तरायण कलियुग : 5126 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : ज्येष्ठा, 21:52 तक प्रथम करण : बालवा, 15:07 तक
योग : वज्र, 09:06 तक द्वितीय करण : कौवाला, 28:20 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त 04:02 ए एम से
प्रातः सन्ध्या 04:22 ए एम से
अभिजित मुहूर्त कोई नहीं
विजय मुहूर्त 02:39 पी एम से
गोपील मुहूर्त 07:04 पी एम से
सायह सन्ध्या 07:18 पी एम से
अमृत काल 09:06 पी एम से
निशिता मुहूर्त 12:00 ए एम, जून 9 से
सर्वाथ सिद्धि योग 04:31 ए एम, जून 9 से

निवास और शुभ

दिशा शुभ : उत्तर में
रहू काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : गुरु, राहु
कुंभ वक्त: तल

चौघडिया

दिन का चौघडिया	रात का चौघडिया
लाभ : 06:43 - 08:11	उद्वेग : 18:28 - 20:00
अमृत : 08:11 - 09:39	शुभ : 20:00 - 21:32
काल काल वेला : 09:39 - 11:08	अमृत : 21:32 - 23:03
शुभ : 11:08 - 12:36	चर : 23:03 - 00:35
रोग वार वेला : 12:36 - 14:04	रोग : 00:35 - 02:07
उद्वेग : 14:04 - 15:32	काल : 02:07 - 03:39
चर : 15:32 - 17:00	लाभ : 03:39 - 05:10
लाभ : 17:00 - 18:28	उद्वेग : 05:10 - 06:42

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उद्वेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज अष्टमी

आज कौन सा कार्य करें

अष्टमी : संज्ञा, वास्तु, शिल्प, लेखन, खी, रत्न धारण, आभूषण खरीदना एवं सब अष्टमी को शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौर्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कर्मजोर् मालिक वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
युवकों को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में व्यय नहीं करनी चाहिए। बुधवार को लड़की को माला को हिरन नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ने का डर है।
यह कार्य न करें- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की को माला को हिरन नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ने का डर है।
नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कर्म सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकदशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

NIA में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'रक्षित' आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

छात्राओं, महिला कर्मचारियों ने लिया आत्मरक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

महानिदेशक एवं कमांडेंट जनरल, होम गार्ड्स राजस्थान मालिनी अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर मीता कोटोचा उपस्थित रही।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने की। इस अवसर पर कुलसचिव प्रोफेसर अनिता शर्मा, प्रोफेसर पी. हेमंता सहित संस्थान में मंगलवार को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं महिला कर्मचारियों को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में

अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में महिलाओं के लिए आत्मरक्षा का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है और इससे उनमें आत्मविश्वास तथा सुरक्षा की भावना मजबूत होती है। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रो. मीता कोटोचा ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों को अत्यंत उपयोगी बताया। कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने संस्थान में महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि संस्थान की प्रगति में महिला चिकित्सकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

बियानी सम्मानित, जेकेके में प्रदर्शनी व वार्ता आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के डी-फार्मा प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों ने जवाहर कला केंद्र में आयोजित "मा पत्राध्य नारी शक्ति महोत्सव" की प्रदर्शनी और वार्ता कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सशक्त नारी और समृद्ध समाज के प्रति जागरूक करना था। प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों ने नारी के त्याग, साहस और राष्ट्रपति से जुड़ी प्रेरणादायक जानकारियां प्राप्त कीं। इस अवसर पर गुलाब कोठारी और ईशा कोपिकर ने सशक्त किए प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सोम्या गुर्जर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में गुलाब कोठारी ने बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेज के अकादमिक निदेशक डॉ. संजय बियानी को मंच पर सम्मानित करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया। अपने संबोधन में डॉ. संजय बियानी ने राष्ट्रपति से जुड़ी प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। इस प्रदर्शनी और वार्ता कार्यक्रम का समन्वय एमएसिएट प्रोफेसर नितिन शुक्ला और एमएसिएट प्रोफेसर हिमानी राणा ने किया।

101 बटुकों ने धारण किया जनेऊ

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

जयपुर। ब्राह्मण समाज राजस्थान जयपुर जिला देहात के तत्वावधान में अष्टम उपनयन संस्कार कार्यक्रम का आयोजन कागलिया वाले बालाजी मंदिर, मोरीजा रोड चौम में किया गया। कार्यक्रम श्री श्री 108 श्री गिरधारी दास जी महाराज के पावन आचरण में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा मुख्य अतिथि रहीं, जबकि विधायक शिखा मिल, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा और एनआरआई लाल शर्मा आदि 101 बटुकों को विधिवत यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार कराया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में

उपाचार्य पंडित राकेश शर्मा तथा पंडित मनोज शर्मा सहित 21 विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना कर संस्कार संपन्न करवाया गया। कार्यक्रम में डॉ ओम प्रकाश शर्मा बनवारी लाल शर्मा, डॉ राम प्रकाश शर्मा, अशोक रेवडुका, डॉ बंशीधर शर्मा, संदीप शर्मा, चंद्र प्रकाश शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, डॉ पवन कुमार तिवारी, नारायण लाल शर्मा, राधेश्याम जोशी, दामोदर प्रसाद खांडन, सत्य प्रकाश पारीक, कैप्टन श्रीराम शर्मा, मकखनलाल शर्मा, भवानी शंकर शर्मा, सरेंद्र सिंह सोलंकी, डॉ. एम.के. ऐरन, डॉ. सीताराम कुमावत, ममता शर्मा, आशा शर्मा, सुमन शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मौसम का 14-15 मार्च को यू-टर्न; आंधी-बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

जयपुर। मरुधरा में इस बार मार्च के महीने में ही आसमान से आग बरसने लगी है। जयपुर समेत कई जिलों में मार्च में ही पारा अप्रैल माह के औसत तापमान को छूने लगा है। मौसम विभाग ने 11 मार्च को प्रदेश के 5 जिलों में हीटवेव चलने की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया है। अधिकांश भागों में अभी अधिकतम तापमान 36 से 40 डिग्री के आसपास दर्ज हो रहा है जो सामान्य से 4 से 10 डिग्री ऊपर है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार 12 मार्च से तापमान में हल्की गिरावट होने के आसार हैं। वहीं 14 और 15 मार्च को एक नया पश्चिमी विक्षोभ राज्य में सक्रिय होने की संभावना है। जिसके प्रभाव से उत्तर पश्चिम क्षेत्र के भागों में मेघगर्जन के साथ हल्की आंधी-बारिश और कुछ भागों में ओलावृष्टि की चेतावनी मौसम विभाग ने जारी की है। मौसम में बड़े बदलाव से अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री गिरावट व गर्मी से आंशिक राहत की संभावना है। जयपुर में मार्च माह में सामान्यतः अधिकतम तापमान 40 डिग्री से कम रहता है लेकिन बीते 3 साल बाद फिर से पारे ने रफ्तार पकड़ ली है।

कुकरेश्वर महादेव शिव नगर में 5 कुंडीय महायज्ञ सम्पन्न

कुकरेश्वर महादेव शिव नगर में पांच कुंडीय महायज्ञ सम्पन्न

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

पांडे ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर यज्ञ में आहुतियां दीं। कार्यक्रम का आचार्य लीलाधर शर्मा ने 11 विद्वान ब्राह्मणों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न करवाया। कार्यक्रम में लोकचंद्र हरौरामानी, नगेन्द्र वशिष्ठ, भुवनेश तिवारी, काशीनाथ दीक्षित, हरि सैनी, इंद्र शर्मा, अंजली शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति और आध्यात्मिक समाजसेवी गोपाल शर्मा एवं विष्णु सैनी रहे। यज्ञ के मुख्य अजमान के रूप में अरुण कुमार

राशिफल

चैत्र, कृष्ण, अष्टमी, 2082 बुधवार, 11 मार्च - 17 मार्च, 2026

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ पाटी व धिक्रिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। धनार्जन होगा, जोखिम न लें। प्रयत्न एवं दूरदर्शिता से सहयोग एवं समर्थन मिलेगा। पारिवारिक सुख प्राप्त होगा। जोखिम के कार्यों में सावधानी रखें।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते, वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। बकवास बसूनी होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। धनार्जन होगा। आंतर्य त्यागकर काम समय पर करें। पारंपरिक स्वभाव होने से दूसरों की मदद करके सुख अर्जित करेंगे।

वृषभ ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है। कहानी, बहस हो सकती है। विवाद समाप्त होने से शांति एवं संतोष मिलेगा। संतान के प्रति झुकाव बढ़ेगा। विवाद से क्लेश होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

वृश्चिक तो, ना, नी, नू, या, यी, यू नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। घर-बाहर पृष्ठ-परख रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। पिता का स्वास्थ्य संतोष देगा। आजीविका में प्रगति होगी। समय का दुरुपयोग न करें। अधिकारी कामकाज में सहयोग करेंगे।

मिथुन क, की, कु, कू, ड, डू, डू, के, को, इ प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। मनोरंजक यात्रा होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विरोध सम्मान मिलने की संभावना है। भूमि संबंधी लेन-देन में रुचि बढ़ेगी।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ड, धे कष्ट, भय, तनाव का माहौल बनेगा। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। शत्रु पक्ष से सतर्क रहें। आपकी कार्यों की परिवार एवं समाज में प्रशंसा होगी। संतान की मदद से आत्मविश्वास बढ़ेगा अच्छा चलेगा।

कर्क हि, हू, हे, हौ, डा, डी, डू, डे, डो अतिथियों का आवागमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। व्यापारिक उन्नति होगी। अन्याय किसी समस्या का समाधान हो सकता है। अपना व्यवहार संयमित रखकर काम करना जरूरी है।

मकर भो, जा, जी, जू, खा, ख, गा, गो, वरिष्ठजन सहयोग करेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता बनी रहेगी। अपनी स्थिति, योग्यता के अनुरूप कार्य कर पाएंगे। अनसोचे काम होंगे। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी रखें। व्यापार अच्छा चलेगा।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टी, टू, टु, टो देव दर्शन हो सकता है। सख्त का लाभ मिलेगा। बाहरी सहायता मिलेगी। रुके कार्य बनेंगे। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। सोच-समझकर व्यय करें। पारिवारिक समस्याओं का हल सुझ-झूझ से करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, स्य घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा।

कन्या टो, पा, पी, पू, फ, फ, ठ, पे, पो घर में अशांति रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। तनाव रहेगा। जल्दबाजी न करें। नौकरी, व्यवसाय में ईच्छित वातावरण तैयार होगा।

मीन दी, दु, थ, झ, अ, दे, दो, चा, वि घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बाहरी सहायता प्राप्त होगी। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा।

महिला बंदी सुधार गृह जयपुर में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। सेंटवेव ऑर्गेनाइजेशन और शिल्पायन संस्था के संयुक्त तत्वाधान में महिला बंदी सुधार गृह, जयपुर में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां नारायणा हॉस्पिटल के मनोचिकित्सक डॉ सुमित घक्कर ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी हुई बेहतर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि आप मेंडिटेशन और दैनिक दिनचर्या में बदलाव लाकर कैसे स्वस्थ रह सकते हैं। सेंटवेव की संस्थापक शिवाली गुप्ता ने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना आज की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। शिल्पायन संस्थान की संस्थापक लक्ष्मी अशोक ने महिलाओं को शिक्षण प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में महिला बंदी सुधार गृह की डिप्टी सुपरिंटेंडेंट सरिता बिश्रॉई, नारायणा हॉस्पिटल से अमित सिंह, शिप्रा माथुर, गुरजोत कोर आदि लोग उपस्थित रहे।

रक्तदान एवं चिकित्सा शिविर 15 को, रक्तदाताओं ने किया पोस्टर विमोचन

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

जयपुर। मानव समाज सेवा संस्थान राजस्थान द्वारा 15 मार्च को देवीनगर स्थित महाराज मार्केट में रक्तदान एवम चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर के पोस्टर का विमोचन आज राजधानी में रक्तदाताओं द्वारा किया गया। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष डॉ मकुेश गुप्ता ने बताया कि इस शिविर के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक डॉ गोपाल शर्मा व विशिष्ट अतिथि निवर्तमान पार्षद एवम चेयरमैन पवन शर्मा होंगे। इस दौरान रक्तदान के साथ ही विभिन्न प्रकार की बीमारियों की निःशुल्क जांच कर दवाईयां वितरित की जाएगी। इस अवसर पर चिकित्सा, मीडिया एवं समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

आरएस क्लब में 'फागोत्सव' के साथ क्रिकेट का रोमांच

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

टी20 विश्व कप मैच के लाइव प्रसारण के लिए बड़ी स्क्रीन की विशेष व्यवस्था की गई थी। मैच के दौरान रोमांचक क्षणों पर सभी अधिकारियों और उनके परिजनों ने तालियां बजाकर टीम इंडिया का उत्साह बढ़ाया। मैच के रोमांच और जीत की उम्मीद ने फागोत्सव के आनंद को दोगुना कर दिया। क्रिकेट के साथ-साथ 'बज की लठ्ठमार और फूलों की होली' की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। आरएसएस एमएसिएशन के प्रवक्ता पंकज ओझा ने बताया कि प्रशासनिक अधिकारियों की व्यस्त दिनचर्या के बीच यह आयोजन तनाव को दूर करने और पारिवारिक मिलन का एक बेहतर माध्यम बना।

नगरीय विकास कर बकाया होने पर विद्याधर नगर जोन में 06 सम्पत्तियों को किया कुर्क

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

जयपुर @ जागरूक जनता। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त विद्याधर नगर जोन श्री करणी सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को 06 सम्पत्तियों पर नगरीय विकास कर बकाया होने पर कुर्क की कार्रवाई की गई जिसमें 03 सम्पत्तिधारकों द्वारा 09 लाख 02 हजार 150 रुपये की राशि मौके पर ही जमा करवाया तथा 3 सम्पत्तियों को सीज किया गया। उपायुक्त करणी सिंह ने बताया कि विद्याधर नगर जोन द्वारा 06 सम्पत्तियों पर नगरीय विकास कर बकाया होने पर 06 सम्पत्तियों पर कुर्क की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 03 सम्पत्तिधारकों द्वारा राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में ब्याज/पैनल्टी पर देय छूट का लाभ लेते हुये अपनी सम्पत्ति के बकाया नगरीय विकास कर राशि 09 लाख 02 हजार 150 रुपये निगम कोष में जमा करवाई गया तथा शेष सम्पत्तियां कुर्क की गईं।



जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

दिल तो दिल है। सम्भालना जरूरी है। ऐसे में अगर किसी दिल के चिकित्सक की सलाह मिले तो उस पर अमल करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। दिल का दौरा एक ऐसी स्थिति है, जिसमें हर सेकंड कीमती होता है। कई बार ये हमला अचानक आता है और अगर उस वक्त आप अकेले हों तो खतरा और भी बढ़ जाता है। मगर कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखकर आप अपनी जान बचा सकते हैं। इस तरह की समस्या से बचने के लिए कुछ सरल और असरदार उपाय बताए गए हैं, जिन्हें फॉलो करके आप अकेले होने पर भी खुद की मदद कर सकते हैं। कोई भी शख्स अपने दिल का ख्याल आसानी से रख सकता है। इसके अलावा योग को भी जीवन का अभिन्न अंग बनाना जरूरी है। क्या हैं वे उपाय आइए जानते हैं आज के इस आर्टिकल में...

दि ल का भंवर करे पुकार...जब दिल में भंवर उठे तो यह प्यार का संदेश भी हो सकता है और धड़कनों में उतार-चढ़ाव भी। कभी-कभी कोई हार्ट बीट मिस हो जाए तो इससे मन में घबराहट पैदा होती है। अगर लगातार 3-4 हार्ट बीट मिस हों तो जांच की जरूरत हो सकती है, लेकिन दिनभर में 5-7 बार हो या लगातार न हो तो घबराने वाली बात नहीं होनी चाहिए।

हैपी हार्ट के लिए अपनाएं 3 आदतें

अगर हम अपनी जिंदगी में कुछ बातों को जोड़ लें तो कई पॉजिटिव बदलाव हो सकते हैं। योग, एक्सरसाइज, सांस लेने का सही तरीका, कुदरती खानपान ऐसी ही आदतें हैं जो हमारी जिंदगी बदल देती हैं। हार्मोन, लिबर, किडनी जैसे तमाम अंग सेहतमंद महसूस करने लगते हैं।

1. योग और ध्यान

योग से हर दिन की शुरुआत करें। सबसे पहले सुकून व्यायाम (4-5 मिनट) करें। जैसे- हाथों को गोलाकार घुमाना, हथेलियां मोड़कर कंधों की ओर लाना, बैठे-बैठे ही पैरों के पंजों को आगे की ओर खींचना और पीछे ले जाना, फिर गोलाई में घुमाना। हाथों की मुठ्ठी बनाकर कर्काकवाइज (घड़ी की सुइयों के घूमने की दिशा में) और एंटीकर्काकवाइज (घड़ी की सुइयों के घूमने की उलटी दिशा में) घुमाएं।

ऐसे करें योगासन:

इसका सही तरीका सीखना जरूरी है। इसलिए शुरुआत में किसी अच्छे योग शिक्षक की मदद लेनी चाहिए। अगर बीपी ज्यादा रहता है या कमर आदि में दर्द रहता है तो उन्हें यह बात जरूर बताएं। साथ ही शुरुआत में आसानी से जितना कर सकें, योगासन करें। कभी भी शरीर पर ज्यादा जोर न लाएं। शलभासन और त्रिकोणासन करें। शुरुआत में सभी आसन 2 से 3 बार ही करने हैं।

शरीर लचीला होने लगे, तब ये करें:

सूर्य नमस्कार: आराम से पूरी 12 क्रियाएं करें। एक बार लेफ्ट पैर से फिर राइट से। इस तरह 24 क्रियाएं होंगी। लेकिन बीपी ज्यादा रहता है तो धीमी गति से करें, 2 ही बार करें।

प्राणायाम: 5 से 7 मिनट तक करें।

कपालभाति: आराम से गहरी सांस खींचनी है और धीरे-से ही छोड़नी है। अभ्यास होने पर तेजी (वेग) से छोड़ सकते हैं। लेकिन शरीर को इतका न लगे।

(बीपी की परेशानी है तो न करें, प्रेग्नेट महिलाएं न करें) (1 मिनट में 20 बार कपालभाति कर सकते हैं। कुल 3 राउंड तक।)

ध्रमरी: यह बहुत ही आसान है। इसे करने का तरीका एक बार किसी अच्छे जानकार से समझ लें। यह गुस्से और बेचैनी को कम करता है, तनाव से छुटकारा दिलाता है।



ध्यान करने का सही तरीका जानें:

मन को एकाग्रित रखने और तनाव कम करने के लिए बड़ा ही सरल और सहज उपाय है। इसे शुरुआत में हर दिन 5 मिनट कर सकते हैं। फिर धीरे-धीरे वक्त बढ़ाते जाएं। इस दौरान आंखें जप, मंत्र उच्चारण (कोई भी मंत्र, किसी भी धर्म का), अगर कुछ न समझ जाए तो आंखें बंद करके आसपास की आवाजें सुनें, अपनी सांस की आवाजों को मानसिक तौर पर महसूस करें। आंखें खोलकर मॉडिफाई करना है तो कुदरत को, किसी बहती धारा को देख सकते हैं। कुछ सेकंड भी ध्यान में रुक सकेंगे तो अच्छा है। अगर मन में विचारों का सैलाब आ रहा है तो उसे बहने दें। विचारों को रोकें नहीं। धीरे-धीरे अभ्यास से चीजें बेहतर हो जाएंगी।

अगर सही तरीके से लेंगे सांस तो ही मिल सकेगी पूरी ऑक्सीजन

कहते हैं हमारी सांसें गिनती की हैं। जो जितना कम और आराम से सांस लेता है, वह उतना लंबा जीता है। सांसें तेज होती हैं तो धड़कन भी ज्यादा होती है। कष्टएं का दिल एक मिनट में औसतन 6 से 20 बार और हाथों का 25 से 35 बार धड़कता है। शायद इसीलिए कष्टुआ 100 साल से ज्यादा तो हाथी करीब 60 से 70 साल जीता है। वहीं, जिनकी धड़कन तेज होती है, उनकी जिंदगी कम होती है। चूहे का दिल एक मिनट में 200 से 500 बार तक धड़कता है। उसकी औसत उम्र डेढ़ से 3 साल होती है। सोचें कहे तो संयमित सांसें ही तो दिल की धड़कन भी सही रहती है और जिंदगी भी लंबी होती है। इसलिए सही तरीके से सांस लेना जरूरी है। सांस अंदर खींचते समय पेट और छाती बाहर की ओर निकलने चाहिए। सांस छोड़ते समय ये अंदर की ओर आने चाहिए। आमतौर पर हम ऐसा नहीं करते, ठीक इसके उल्टा होता है।

ह्र सांस में ये 4 चीजें यानी SSLD का होना जरूरी है:
Smooth: सांघ हमेशा आराम से लें। **Slow:** धीमे लें। **Long:** लंबी सांस लें। **Deep:** सांस गहरी लें।

5 खास बातें

1. किसी भी बात का स्ट्रेस नहीं लेना
2. घर के बाहर का खाना नहीं खाना या महीने में एक बार से ज्यादा न खाना
3. तंबाकू का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं करना। स्मोकिंग हो या गुटखा, दोनों खतरनाक
4. योग और एक्सरसाइज से दूर नहीं भागना
5. ऊपर बताई गई बातों को कभी न भूलना

मधिय के लिए इन्हें चुनें

बादाम
रात में पानी में भिगोएं। सुबह छिलका उतारकर खाएं। 5 से 7 गिरी

भुने हुए चने
2 मुट्ठी

मूंगफली
1 मुट्ठी रोस्टेड

अखरोट
2 से 3

भुने हुए मखाने
एक बाउल भरकर

इनके अलावा कुछ बीज जैसे- कद्दू के बीज या सुरजमुखी के बीज या चिया सीड्स हर दिन एक मुट्ठी खा सकते हैं।

2. सातों दिन एक्सरसाइज

योग के साथ हफ्ते के सातों दिन वॉक जारी रखें। हर सुबह 30 से 40 मिनट ब्रिस्क वॉक बहुत फायदेमंद है। इससे हार्ट की परेशानी का खतरा 10 फीसदी से ज्यादा टल हो जाता है। इसी तरह स्ट्रेथ बढ़ाने वाली एक्सरसाइज भी जरूर करनी चाहिए। अगर कोई शख्स 15-20 साल की उम्र से वॉक और एक्सरसाइज कर रहा है तो वह 40 साल की उम्र के बाद भी इसे जारी रख सकता है। लेकिन अगर किसी ने 40 की उम्र तक कोई खास फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं की है तो उसे शुरुआत करने से पहले कुछ बातें जरूर ध्यान रखनी चाहिए। कुछ टेस्ट कराना भी सही रहेगा।

शुरुआत में इन बातों का रखें ध्यान

40 की उम्र के बाद जब भी फिजिकल ऐक्टिविटी शुरू करनी हो तो सबसे पहले इस बात का ध्यान रखें कि पहले 15 दिनों तक हल्की एक्सरसाइज और 5-10 मिनट के लिए ही ब्रिस्क वॉक करें। फिर इसे धीरे-धीरे बढ़ाएं। ये बातें जिम पर भी लागू होती हैं। जिम में भी शुरुआत से ही हेवी एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। पहले अपनी ताकत बढ़ाएं। कई बार जिम ट्रेनर हेवी एक्सरसाइज के लिए जोर डालते हैं। ऐसे में 'न' कह देना चाहिए। वहीं, किसी की फैमिली में हार्ट या बीपी की परेशानी रही है या उस शख्स को ही ये परेशानियां हों तो पहले कुछ जांच: TMT (TREADMILL TEST) टेस्ट, इको, ECG आदि कर लें और किसी डॉक्टर को दिखा लें।



जागरूक मंत्र-मन रखें चंगा

अगर कोई स्ट्रेस दे और हम उसे न लें तो स्ट्रेस नहीं होगा। सच तो यह है कि स्ट्रेस हम खुद पैदा करते हैं। खुद को जितना हो सके कूल रखें। जितना कूल रहेंगे, उतना ही फायदा होगा। इसके लिए सबसे जरूरी है अच्छी नींद लेना। हर रात 7 से 8 घंटे की गहरी नींद लें। साथ ही ध्यान करना भी उत्तना ही अहम है। दरअसल, स्ट्रेस कोई दूसरा नहीं देता, हमारा ही दिमाग देता है। यह सच है कि बाहर की चीजों को हम बदल नहीं सकते, जिसके लिए हमेशा सोचते रहते हैं। इसलिए खुद को बदलना होगा। हर बात में पॉजिटिव सोच रखनी होगी। इससे तनाव कम होगा। हर सुबह जागने पर ईश्वर का आभार जताना न भूलें।

ये-ये करते हैं हार्ट को कमजोर

1. **ज्यादा स्ट्रेस:** यह जितना दिमाग पर होगा, उसका असर सीधे दिल पर होगा। इसलिए पॉजिटिव सोचें। हर चीज हम नहीं कर सकते। हर चीज हमारे काबू में नहीं होती। हर चीज हम अपने हिस्सा से नहीं कर सकते। इसलिए हर चीज के लिए अपने दिमाग पर दबाव डालना भी सही नहीं।
2. **वाइट शुगर:** यह बहुत बड़ा गुनहवार है। इसे जितनी जल्दी अपनी जिंदगी से बाहर कर देंगे, उतनी जल्दी सेहतमंद होंगे। इसकी जगह खांड या बड़िया क्वालिटी का गुड़ खा सकते हैं।
3. **बिस्कुट, ब्रेड:** इनमें एडेड शुगर बहुत होता है। साथ ही इसमें ट्रांस फैट (खराब फैट) काफी मात्रा में मौजूद रहता है जो आखिरकार हमारे हार्ट पर बुरा असर डालता है।
4. **जंक फूड:** पूरा देश इसकी गिरफ्त में है। स्वाद में लजीज, लेकिन सेहत के लिए खतरनाक। बात चाहे पिज्जा की करें, बर्गर या फिर किसी दूसरे जंक फूड की। सभी सेहत के लिए खराब हैं।
5. **रिफाईंड से जरूर बचें:** रिफाईंड ऑयल को खाने के रूप में लाने से पहले कई बार हाई टेम्परेचर (करीब 250 डिग्री सेल्सियस) से गुजारा जाता है। बाहर के खाने में खूब डाला जाता है। सेहत के लिए खतरनाक।
6. **ज्यादा नमक:** जिंदगी में नमक कम न हों, लेकिन खाने में जरूर कम रखें। इसलिए यहां बताई बातों का जरूर ध्यान रखें: नमक को भोजन से गायब नहीं करना है, लेकिन कम जरूर करना चाहिए। हर दिन 5 ग्राम यानी एक चम्मच नमक काफी है। हर दिन के सामान्य खाने: चावल/रोटी, दाल और सब्जियों में करीब 2 ग्राम नमक मौजूद होता है। इसलिए ऊपर से नमक न डालें। लोग यह समझते हैं कि सेंधा नमक खाना सेहत के लिए फायदेमंद है जबकि ऐसा नहीं है। किसी भी तरह का नमक लगातार ज्यादा खाएंगे तो परेशानी होगी। सभी तरह के नमक में 90 फीसदी से ज्यादा सोडियम क्लोराइड (NaCl) है। हां, सेंधा नमक में दूसरे मिनेरल्स की मौजूदगी भी ज्यादा होती है, पर आयोडीन नहीं होता। अगर किसी की फैमिली में बीपी, किडनी, हार्ट आदि बीमारियों की हिस्ट्री है तो नमक कम ही खाएं। खासकर बाहर के पैकड फूड, चाहे वह जूस ही क्यों न हो।
7. **अल्कोहल, स्मोकिंग:** सिगरेट, बीड़ी, गुटखा और शराब जैसी चीजों का सेवन करने से भले ही तात्कालिक सुकून मिलता हो, लेकिन लंबे समय में इनका बहुत ज्यादा नुकसान होता है। ये सेहत को बुरी तरह प्रभावित करते हैं।

...तब दिल का नहीं बनेगा बिल

अच्छी सेहत के लिए

5 से बचें

- Salt कम लें
- Stress न लें
- Sugar न लें
- Sedentary Habits न पालें
- Smoking न करें

40

साल के बाद जब भी फिजिकल ऐक्टिविटी शुरू करनी हो तो सबसे पहले इस बात का ध्यान रखें कि पहले 15 दिनों तक हल्की एक्सरसाइज और 5-10 मिनट के लिए ही ब्रिस्क वॉक करें। फिर इसे धीरे-धीरे बढ़ाएं।

मजबूत दिल सुरक्षित दिल

3. सही डाइट है सबसे जरूरी

शरीर और दिल समेत तमाम अंगों को सेहतमंद रखने का सबसे बढ़िया विकल्प दूसरा कोई नहीं। हम जितना कुदरत के करीब होते हैं, कुदरती भोजन को अपनाते हैं, उतना ही हम सेहतमंद होते हैं। कुदरती भोजन कुछ और नहीं मौसमी फल, सब्जियां होती हैं। सही डाइट को बीमारियां ज्यादा होती हैं। इसलिए हमारे खानपान लेने से हमारे शरीर में कलेस्ट्रॉल का बैलेंस बना रहता है। बैड कलेस्ट्रॉल (LDL) कम रहता है और गुड कलेस्ट्रॉल (HDL) सही रेंज में। साथ ही ट्राइग्लिसराइड (खून में पाया जाने वाला फैट) भी बैलेंस रहता है। इनके सही रेंज में होने से दिल से जुड़ी परेशानियों का खतरा कम हो जाता है। बीपी की परेशानी नहीं रहती। शुरुआत से ही ध्यान रखें तो डायबीटीज का खतरा भी कम हो जाता है। पूरी दुनिया में शुगर की वजह से ही दिल की बीमारियां ज्यादा होती हैं। इसलिए हमारे खानपान में कुदरती फाइबर जो फल, सब्जियों और सलाद में मिलता है, इनका हिस्सा सही होना चाहिए। वहीं, डाइट में सोयाबीन और मैथी को भी शामिल करना चाहिए। ओट्स, काला चना भी जरूर खाना चाहिए।

जरूर खानी चाहिए ये-ये सब्जियां

खाने में डाइट और स्वाद दोनों का ख्याल रखें। मौसमी हरे पत्ते वाली और दूसरी हरी सब्जियां जैसे- लौकी, तोरई, कद्दू, ब्रोकली, पालक, पत्ता गोभी आदि जरूर शामिल हो।

फल चुनें मौसम के मुताबिक

सब: रोज एक सेब जरूर खाएं। इसमें काफी फाइबर, विटामिन और मिनेरल होते हैं जो तेजी से वजन कम करते हैं। दिल की सेहत के लिए भी यह अच्छा है।

केला: केले में फाइबर और पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है।

स्ट्रॉबेरी: इसे खाने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट और लिपिड हॉर्मोन में इजाजा होता है, जो फैट कम करने में मदद करते हैं।

अनार: इसमें मौजूद तत्व कलेस्ट्रॉल को कम करने और डिटॉक्स करने में मदद करते हैं।

संतरा: इसमें मौजूद विटामिन C इम्यून सिस्टम को मजबूत करने और वजन कम करने में मददगार है।

पपीता: इसमें मौजूद एंजाइम और फाइबर पाचन को अच्छा बनाते हैं। इससे कई तरह के विटामिन भी मिलते हैं। यह वजन घटाने में मदद करता है।

आम: भले ही आम का मौसम जा रहा है, लेकिन मार्केट में अभी भी थोड़ा-बहुत है। यह कई तरह के विटामिन और मिनेरल का सोर्स है। शुगर पेशेंट भी आधा आम खा सकते हैं। इनमें कुदरती मिठास है। मोठे के मामले में यह रिफाईंड चीनी से तो बेहतर है।

मौसमी फल: अगर ऊपर बताए हुए फलों में से कोई फल न मिले तो कोशिश होनी चाहिए कि कोई भी 1 या 2 ताजा मौसमी फल जरूर खाएं। आजकल नाशपाती और जांभु भी मिल रहे हैं।

ये सूजन घटाने में मदद करती है। इसलिए हरी सब्जियां जरूर खानी चाहिए। वही, गाजर, नींबू, चुकंदर, टमाटर, प्याज, लहसुन, मूली आदि भी मौसम के अनुसार जरूर लें।

अच्छा तेल-घी खाएं

खराब तेल (पाम ऑयल आदि) और रिफाईंड का इस्तेमाल न करें। हर दिन के खाने में तेल की क्वालिटी अच्छी (जैसे: सरसो, कनोला, तिल का तेल आदि) हो। घर में तैयार देसी घी सबसे अच्छा है। पाम ऑयल और रिफाईंड हार्ट दोनों ही लिबर के लिए अच्छे नहीं होते। इनसे जितना हो सके लें। अच्छे तेल महंगे हो सकते हैं पर उन्हीं का इस्तेमाल करें, भले ही कम करें। कोल्ड प्रेस सरसो का तेल सबसे बढ़िया है। वही, ऑलिव ऑयल छोड़ लगाने या चीजे तलने के लिए इस्तेमाल न करें।

सफेद चावल से बचें

वैसे तो सबसे बढ़िया रेड राइस है। यह न मिले तो ब्राउन राइस भी अच्छा होता है। सफेद पॉलिश वाले चावल से परहेज करें। हफ्ते में 2 दिन मिलेट्स जरूर लें, खासकर रागी। यह फाइबर, कैल्शियम का बढ़िया सोर्स है।

कार्डियक अरेस्ट की वजह?

इन दिनों अचानक कार्डियक अरेस्ट क्यों हो रहे हैं और इससे बचने के लिए क्या करें? कभी शादी में डांस करते वक़्त, कभी जिम में एक्सरसाइज करते हुए तो कभी सामान्य काम के दौरान भी लोगों में कार्डियक अरेस्ट की स्थिति बन जाती है। यह किसी वजह से हार्ट मसलस कमजोर होने से, लगातार हाई बीपी रहने से, हार्ट में ब्लॉकिंग आदि की वजह हो सकता है। जब किसी शख्स को कार्डियक अरेस्ट आता है तो उसकी सांसें थम जाती हैं, उसकी धड़कन रुक जाती है। ऐसे में फौरन ही CPR देना चाहिए और जितनी जल्दी हो सके एंबुलेंस से हॉस्पिटल ले जाना चाहिए। कार्डियक अरेस्ट होने पर अगर 1 मिनट के अंदर सही तरीके से CPR दिया जाए तो 60 से 70 फीसदी मामलों में लोगों को जान बचाई जा सकती है। फिर हर गुजरते मिनट में जान बचाना बहुत मुश्किल होता जाता है। आखिर 3 से 10 मिनट तक कोशिश जरूर होनी चाहिए।

CPR देने का सही तरीका

मरीज को किसी प्लेन जगह पर लिटा दें। CPR देने वाले के दोनों बाजू सीधे होने चाहिए। फिर सीने को अंदर की ओर 5 से 6 सेंटीमीटर तक दबाना चाहिए। इसका एक साइकल 30 बार सीने को दबाने से पूरा होता है। 30 बार सीने के बीच वाले हिस्से, जहां लेफ्ट और राइट चेरट का हिस्सा मिलता है (एकदम बीच में) उसे दबाना है। इसको दबाने के बाद मुँह से हवा देनी है। हवा देते समय मरीज की नाक के दोनों सुराखों को बंद कर देना चाहिए ताकि मुँह से दी हुई हवा लौक न हो। फिर से 30 बार सीने को दबाना होता है। इस साइकल को 5 बार करना है। एक साइकल पूरा होने के बाद अगर कोई दूसरा शख्स भी CPR देने के लिए मौजूद हो तो उसे मौका देना चाहिए। नोट: यूट्यूब पर CPR टाइप करके CPR देने का विडियो देख सकते हैं।

डायबीटीज और मोटापे से हार्ट को किस तरह की परेशानी होती है?

डायबीटीज की वजह से भी हार्ट कमजोर हो जाता है। दरअसल, शुगर हमारी नसों को कमजोर करती है और इस वजह से कई बार हार्ट की पंपिंग भी डिस्टर्ब होती है। इसके अलावा डायबीटीज से धमनियों की दीवारें सख्त और संकरी हो जाती हैं। ऐसा देखा जाता है कि ये लोग अक्सर ओवरवेट भी होते हैं। इसलिए अपने वजन को भी सही रखना जरूरी है। उसमें भी अपने टर्नी फैट को कम करना सबसे ज्यादा अहम है। ज्यादा फैट मतलब शरीर में ज्यादा बैड कलेस्ट्रॉल, नतीजा फैटी लिबर, हाई बीपी और आखिरकार हार्ट की परेशानी।

हार्ट ट्रांसप्लांट की नौबत क्यों आती है?

सुनने में यह थोड़ा अजीब लगता है कि किसी का दिल बदला जाए। लेकिन कई बार परिस्थितियां ऐसी हो जाती हैं कि हार्ट ट्रांसप्लांट करना पड़ता है। हालांकि, आजकल इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। कई मरीज लाइव में होते हैं। वैसे डॉक्टरों की कोशिश यही होती है कि मरीज का हार्ट तब तक न बदला जाए जब तक कि दवा काम करना बंद न कर दे। कई बार स्टेंट से भी काम नहीं बनता।

स्टेंट की जरूरत क्यों: हमारे दिल की आर्टिरियों (जिसमें ऑक्सीजन वाला खून बहता है) में जब कलेस्ट्रॉल ज्यादा जमा हो जाता है तो दिल को पंप करने के लिए पुरा खून नहीं मिल पाता। इससे बीपी बढ़ता है फिर अगर चलकर पूरे शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने लगती है। दिल का दौरा पड़ने का खतरा हो जाता है। ऐसे मरीजों की आर्टरी में स्टेंट लगाना पड़ सकता है।

हार्ट ट्रांसप्लांट की जरूरत तब...

- जब स्टेंट लगाने से भी फायदा नहीं दिखता।
- जब हार्ट मसलस काफी कमजोर हो जाएं।
- जब मरीज का हार्ट पैदाइश कमजोर हो।
- मरीज को बार-बार हार्ट अटैक आया हो और इससे मांसपेशी कमजोर हो गई हो।
- लगातार हाई बीपी, हाई शुगर रहने पर दिल की मांसपेशियों को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे वे मोटी, कठोरा या कमजोर हो सकती हैं। इसलिए सही खानपान और सही लाइफस्टाइल रखना जरूरी है।
- अगर किसी की फैमिली में कम उम्र में हार्ट से जुड़ी परेशानी हुई हो, हाई बीपी लगातार रहे तो चेकअप जरूरी हो जाता है।

सर्जरी कितनी कामयाब?:

हार्ट ट्रांसप्लांट की कामयाबी की दर पहले साल 85 से 90 फीसदी तक है। इस पर खर्च 15 से 20 लाख रुपये तक हो सकता है।

शेर-हाथी को क्यों नहीं आता अटैक?

जंगल में मुक्ता होकर, बिना रोकटोक जीने वाले इन जानवरों को हार्ट से जुड़ी परेशानी ही नहीं, कोई भी दूसरी बीमारी न के बराबर होती है। लेकिन जैसे ही ये जंगल से जू या यानी चिड़ियाघर में आते हैं तो इनमें भी हार्ट अटैक का खतरा हो जाता है। इसकी वजह यह है कि जू में इन्हें भाग-दौड़ करके शिकार करने का मौका नहीं मिलता। फिजिकल ऐक्टिविटी कम होने पर हार्ट की क्षमता भी कम होने लगती है।

सरकार हमारे लिए क्या कर सकती है?

सरकार अपने स्तर पर बचाव का काम कर रही है। लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की गुंजाइश है।

- सरकार ने सबसे खाने से 10 फीसदी तेल कम करने की बात की है। साथ में 10 फीसदी शुगर और 10 फीसदी नमक भी कम कर दें तो बीपी-शुगर की परेशानी में कमी आ जाएगी।
- सरकार को सड़कों पर पैदल चलने के लिए रास्ता जरूर रखना चाहिए। साथ ही, पार्क आदि भी ज्यादा पैमाने पर बनाने चाहिए। ऐसा माहौल तैयार करना चाहिए जिससे लोग ज्यादा पैदल चलने के लिए और पार्क में वॉक आदि करने के लिए मन बनाएं।

हार्ट से जुड़ा नॉर्थ करिया (North Korea) प्रोजेक्ट क्यों है खास?

यह फिनलैंड (नॉर्थ यूरोप में) का एक क्षेत्र है, जहां हार्ट से जुड़ी परेशानियों के बहुत ज्यादा मामले आ रहे थे। इसलिए वहां की सरकार ने 80 के दशक (1972 से 1977) में एक सार्वजनिक कोशिश। इससे वहां हार्ट से जुड़ी परेशानियों के मामले काफी कम हो गए थे। लोगों की औसत उम्र 7 साल तक बढ़ गई। वहां ऐसे काम किए गए: स्मोकिंग, हाई कलेस्ट्रॉल, हाई बीपी आदि मामलों पर काफी ध्यान दिया गया। हरी सब्जियों, फलों आदि को खाने पर जोर दिया। पार्क, पैदल पथ आदि बनाए गए। स्कूल-कॉलेज और हर इंडस्ट्री को हार्ट की बीमारियों के बारे में जागरूक किया गया।

कंपनी का यूएस स्थित, मनोनित आर। इंस्टीट्यूशन, वर्जीनिया टेक के साथ सहयोग: साइंटिफिक रिसर्च और ग्लोबल एकेडमिक पार्टनरशिप के जरिए मेटलर्जिकल कैपेबिलिटी को मजबूत करना उद्देश्य

हिंदुस्तान जिंक ने सिल्वर रिकवरी पर एडवांस्ड रिसर्च के लिए वर्जीनिया टेक के साथ किया एमओयू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक एवं टॉप पॉच सिल्वर उत्पादक कंपनी हिन्दुस्तान जिंक ने वर्जीनिया टेक के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत स्पेशल प्रोसेसिंग प्लांट जहाँ माइन किए गए ओर को फ्लोटेशन के जरिए ट्रीट कर लेड, जिंक और सिल्वर जैसे कीमती मेटल को अलग और कंसंट्रेट किया जाता है, लेड-जिंक कंसंट्रेट में सिल्वर रिकवरी को बेहतर बनाने पर फोकस रिसर्च को आगे बढ़ाया जा सके। इसके हिस्से के तौर पर, प्रोसेसिंग के दौरान मेटल को अलग और कंसंट्रेट करने में मदद करने के लिए मिलाए जाने वाले स्पेशल केमिकल, फ्लोटेशन मेथड को बेहतर बनाने और रिजेंट के इस्तेमाल को ऑप्टिमाइज करने के लिए फोकस

साइंटिफिक अध्ययन किया जाएगा, जिससे बेहतर कंसंट्रेट क्वालिटी और अधिक एफिशिएंट प्लांट ऑपरेशन में सहायता मिलेगी। वर्जीनिया टेक, ब्लैक्सबर्ग, वर्जीनिया में मौजूद एक जानी-मानी पब्लिक लैंड-ग्रांट रिसर्च यूनिवर्सिटी है। यह माइनिंग इंजीनियरिंग, मिनरल प्रोसेसिंग और एप्लाइड मेटलर्जिकल रिसर्च में अपनी एक्सपर्टीज के लिए जानी जाती है। इस पार्टनरशिप के जरिए, हिन्दुस्तान जिंक ग्लोबल रिसर्च नजरिए और टेक्निकल जानकारी के उपयोग के लिए यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर काम करेगी, जिससे प्रोसेस की बेहतर समझ और इसके कंसंट्रेट ऑपरेशन में लगातार सुधार में मदद मिलेगी।

यह कोलेबोरेशन हिन्दुस्तान जिंक के लेड जिंक कंसंट्रेट में सिल्वर रिकवरी को बढ़ाने के लिए एक गहरी साइंटिफिक समझ बनाने



पर प्रमुख ध्यान देगा, जिसमें मौजूदा प्लांट कॉन्फिगरेशन के साथ-साथ भविष्य के ओर टाइप में होने वाले बदलावों पर भी विचार किया जाएगा। यह स्टडी फ्लोटेशन

सेलेक्टिविटी और ओवरऑल मेटल रिकवरी पर असर डालने वाले मुख्य मेटलर्जिकल फैक्टर की जांच करेगी, जिसमें खास तौर पर रिजेंट-मिनरल-वॉटर इंटरैक्शन पर जोर

दिया जाएगा जो प्रोसेस स्टेबिलिटी और कंसंट्रेट क्वालिटी में अहम भूमिका निभाते हैं। इस उपलब्धि पर हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि "हमारा

मानना है कि मेटल और माइनिंग सेक्टर में ग्रोथ का अगला फेज साइंस, इनोवेशन और कोलेबोरेशन से चलेगा। वर्जीनिया टेक के साथ हमारी पार्टनरशिप हमारे नॉलेज इकोसिस्टम को मजबूत करने और भविष्य के लिए हमारे ऑपरेशंस को तैयार करने में आवश्यक कदम है। विश्व के बड़े संस्थानों के साथ काम करके, हम ऐसी क्षमता बनाना जारी रखेंगे जो माइनिंग एक्सप्लोरेशन की आने वाली पीढ़ी को परिभाषित करेंगी।

वर्जीनिया टेक में माइनिंग और मिनरल्स इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के हेड, औरिन नोबल ने कहा कि, "हिन्दुस्तान जिंक के साथ यह पार्टनरशिप ऐसे कोलेबोरेशन को दिखाती है जो मीनिंगफुल इम्पैक्ट डालता है।" "इंस्टीट्यूट के साथ सीधे जुड़कर हम मिनरल रिकवरी पर अपनी कंटिंग-एज रिसर्च को ऑपरेशनल चैलेंज एवं अवसरों पर लागू कर सकते हैं।"

इंद्रेश उपाध्याय की कथा 17 से होगी शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अलवर। जिले में प्रसिद्ध कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय भागवत कथा करेंगे। यह आयोजन 17 मार्च से 23 मार्च तक प्रतिदिन होगा। भागवत कथा का आयोजन शहर के विजय नगर मैदान में किया जाएगा, जहाँ श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। समिति के सदस्यों ने गणेश जी और श्याम बाबा को भागवत कथा के लिए निमंत्रण दिया है। कथा के दौरान प्रसिद्ध संत महात्माओं व कथावाचकों के आने की संभावना है। इस भव्य धार्मिक आयोजन का संचालन श्याम जू सेवा समिति की ओर से किया जा रहा है। समिति पदाधिकारियों के अनुसार ब्रज रस उत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत की आध्यात्मिक कथा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय अपनी ओजस्वी वाणी और भावपूर्ण कथाओं के लिए देशभर में प्रसिद्ध हैं, ऐसे में अलवर सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

बच्चों को तंबाकू के दुष्परिणामों से कराया रूबरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोटा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) एवं तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ जिला कोटा व विकल्प इंडिया सोसाइटी, जयपुर के सहयोग से "तंबाकू-मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम" का शानदार आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (NTCP) के तहत चलाए गए इस पहल में कोटा जिले के सभी ब्लॉक सुल्तानपुर चेचट लाडपुरा सांगोद इटावा के विद्यालयों में वाद विवाद, चित्रकला, पोस्टर प्रदर्शनी और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित हुए।

विकल्प इंडिया सोसाइटी के अध्यक्ष संजय कटाराल ने बताया कि ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से परिचित कराना और उन्हें रोकथाम के लिए प्रेरित करना है। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत सोसाइटी प्रतिनिधि हर विद्यालय में जाकर जागरूकता फैला रहे हैं, जिससे "तंबाकू-



मुक्त विद्यालय" की नीति को धरातल पर उतारा जा सके। वाद विवाद प्रतियोगिता में छात्रों ने तंबाकू के सामाजिक और स्वास्थ्य-परिणामों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। इस दौरान सभी स्कूलों के शिक्षक व विद्यार्थियों ने "तंबाकू-मुक्त" शपथ भी ली, और कोटापी अधिनियम के बारे में भी जाना जिससे भविष्य में इस निरंतर प्रयास सुनिश्चित हो सके। विकल्प इंडिया सोसाइटी के सचिव व जिला कार्यक्रम प्रभारी गौरव मिश्रा ने

कहा, "हमारा लक्ष्य सिर्फ जानकारी देना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव लाना है। जब बच्चे खुद ही तंबाकू से दूर रहने का संकल्प लेंगे, तभी हम एक स्वस्थ समाज की ओर कदम बढ़ा पाएंगे।" स्कूल-प्रोग्राम में वाद विवाद प्रतियोगिता, प्रोजेक्टर के माध्यम से ऑडियो वीडियो प्रशिक्षण, दृष्टधृष्ट गतिविधियाँ शामिल है। कोटा जिले के सभी ब्लॉकों में इस प्रकार के कार्यक्रमों से जिले को तंबाकू-मुक्त भविष्य की ओर ले जाया जा सके।

विधायक आक्वा के होली मिलन समारोह में उमड़ा जनसैलाब, भजनों पर झूमे लोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्वा द्वारा निजी गार्डन में आयोजित होली मिलन समारोह में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों को भीड़ उमड़ी। संतों के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों तथा आमजन ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली और नववर्ष की शुभकामनाएं दीं तथा फूलों की होली खेली। कार्यक्रम में प्रदेश

उपाध्यक्ष नाहरसिंह जोधा, सहकारिता मंत्री गौतम दक, सांसद सीपी जोशी, निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कुपुलानी, कपासन विधायक अर्जुनलाल जीनगर सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर विधायक आक्वा और क्षेत्रवासियों को होली की बधाई दी। विधायक आक्वा ने अतिथियों का उपना ओढ़ाकर स्वागत किया। समारोह में सुप्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा ने "सब तेरा सांवरिया सेंट" सहित अनेक भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन पर उपस्थित लोग झुंमे और नृत्य



कपासन, प्रख्यात सूफी संत हजरत दीवाना शाह साहब र.अ. की दरगाह शरीफ स्थित अहमद कबीर मजिल में रोजा ईफ्तार करते हुवे।

सैकड़ों लोगो ने रोजा ईफ्तारी में शिरकत कर मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ की

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

की। दरगाह ऑफिस सेक्रेटरी शफी मोहम्मद छीपा के अनुसार उदयपुर के परवेज कुरेशी एण्ड ब्रदर्स की जानिब से अहमद कबीर मजिल में रोजा ईफ्तारी का प्रोग्राम रखा गया। रोजा ईफ्तारी में उदयपुर मुल्क मे अमनो सुकून की दुआ

कुरेशी, भा.ज.पा. प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री इकराम कुरेशी, आरएनटी कॉलेज के निदेशक वसीम खान के साथ ही मेहमानाने दीवाना पीया एवं गांव के कई मोतबिरान के साथ सैकड़ों रोजेदारो ने शिरकत की।

अलवर में पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

अलवर @ जागरूक जनता। राजस्थान में अलवर के डक घर में स्थित पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से लोगों में दहशत फैल गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया और मौके पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म
दिनांक

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकता एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि
□ एक वर्ष रू. 250/- □ दो वर्ष रू. 450/- □ तीन वर्ष रू. 600/- □ पांच वर्ष रू. 1000/-

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूँ। फोन-पे, पेटीएन-9829329070

नाम / संस्था का नाम
पता :

फोन पिन कोड

राशि (रुपए) बैंक का नाम

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (होलीवुड बालक कला के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. रसीद क्रं.
दिनांक हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी
जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सेक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो. - 9829329070, 9928022718

विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों पर स्वास्थ्य मेले के प्रचार हेतु किए स्पेशल शो

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बांसवाड़ा। जिले में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा जिले के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर हेल्थ वेलनेस उपकेंद्रों पर जिले में आयोजित होने वाले हेल्थ मेले के संबंध में नुककड़ नाटक (स्पेशल शो) प्रचार प्रसार का कार्य किया जा रहा है। विकल्प इंडिया सोसाइटी द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्रों के क्षेत्र में आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेले की पूर्ण जानकारी व मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में जानकारी स्थानीय भाषा में लोक कलाकारों नुककड़ नाटक स्पेशल शो के माध्यम से लोगों तक पहुंचाई जा रही है। विकल्प इंडिया सोसाइटी के कोऑर्डिनेटर व जिला



कार्यक्रम प्रभारी गौरव कुमार मिश्रा ने बताया कि सोसाइटी व विभाग द्वारा स्थानीय भाषा में नुककड़ नाटक स्पेशल शो आयोजित करवाये जा रहे हैं जिससे इन स्वास्थ्य मेलों में लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस आयोजन में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बांसवाड़ा के अधिकारियों का पूर्ण सहयोग

नारी शक्ति से ही बनेगा मजबूत समाज-मित्तल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय नारी दिवस के शुभ अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल द्वारा दिए गए साक्षात्कार में संस्था द्वारा नारी सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए संस्था द्वारा विश्व स्तर पर किए जा रहे सामाजिक, धार्मिक और जनउपयोगी कार्यों की महत्वपूर्ण जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन अपने गठन की शुरुआती दौर से ही समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और सामाजिक सुधार के लिए निरंतर कार्य करते आ रहा है। इसके लिए समय समय पर विभिन्न संगोष्ठी, कार्यक्रमों और अभियानों का आयोजन कर समाज में जनजागरण अभियान को मजबूती प्रदान करना रहा है।
धार्मिक कार्य: अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन अग्रवाल प्रवर्तक समाज के पितृ पुरुष महाराजा अग्रसेन भगवान और कुल माता महालक्ष्मी जी की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार की संगोष्ठीय एवं रचनात्मक सामाजिक कार्यों को कर बड़े ही हार्मोनिअस पूर्वक से मनाता है।
जनउपयोगी कार्य: अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन शिक्षा, स्वास्थ्य,

पर्यावरण और अन्य क्षेत्रों में भी काम करता है ताकि समाज के अंतिम छोर तक के सदस्यों को लाभ पहुंच सके।
सम्मेलन और आयोजन: संगठन द्वारा समय-समय पर सम्मेलन और आयोजन किए जाते हैं, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया जाता है।
अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्र विभूति अलंकरण वार्षिक समारोह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य-समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के प्रतिभावान विभूतियों एवं संस्थाओं को सम्मानित कर प्रोत्साहित करना है। यह समारोह विभिन्न क्षेत्रों में जैसे कि शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजी (रक्तदान, नेत्रदान, अंगदान देहदान, कैसर जागरूकता अभियान), कला, संस्कृति, नारी सशक्तिकरण एवं पर्यावरण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले को पुरस्कृत करता है। अग्र विभूति अलंकरण समारोह के कुछ प्रमुख पुरस्कार।
अग्रश्री दिव्यांग सेवा पुरस्कार: दिव्यांगों के कल्याण हेतु उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को दिया जाता है।
अग्रश्री भामाशाह पुरस्कार: अस्पताल, धर्मशाला और शिक्षण संस्थान सेवा भाव के उद्देश्य से निर्माण और पूर्ण होने पर दिया जाता है।
अग्रश्री महिला रत्न पुरस्कार: विधि और न्याय के क्षेत्र में न्यायिक सेवाएं और अधिवक्ता के रूप में सर्वश्रेष्ठ सामाजिक सेवाएं देने वाली महिलाओं को दिया जाता है।
अग्रश्री गौ सेवा पुरस्कार: गौ सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर दिया जाता है।

टाटानगरजयपुर सीधी रेल सेवा की मांग फिर तेज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के ऊजावान अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार मित्तल ने, माननीय अश्विनी वैष्णव जी, रेल मंत्री, भारत सरकार को पत्र क्रमांक नंबर 397 दिनांक 26.02.2026 के माध्यम से "टाटानगर से जयपुर" हेतु सीधी रेल सेवा प्रारंभ करने हेतु दशकों से लंबित पुरानी मांग दोहराई। इसी संदर्भ में पूर्व में भी पत्र क्रमांक 054 दिनांक 29.04.2025 जारी करना बताया। मित्तल ने माननीय रेल मंत्री का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि जमशेदपुर झारखण्ड प्रदेश की औद्योगिक राजधानी टाटानगर से जयपुर

हेतु आज तक एक भी सीधी रेल सेवा उपलब्ध नहीं है, जबकि यह मांग विगत 30 वर्षों से अधिक समय से निरंतर उठाई जाती रही है। राजस्थान की लोक संस्कृति और देव स्थानों की विरासत, न केवल आस्था का प्रमुख केंद्र है, बल्कि मारवाड़ी समाज सहित असंख्य परिवारों के लिए तीर्थ एवं आध्यात्मिक आस्था का प्रदेश तथा देश के सर्वाधिक आकर्षक पर्यटन स्थलों में से एक है। झारखंड एवं आसपास के क्षेत्रों से व्यापार, शिक्षा, शॉपिंग एवं पारिवारिक कारणों से बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है, किंतु सीधी रेल सुविधा के अभाव में यात्रियों को अत्यंत असुविधा उठानी पड़ती है।

आबूरोड डकघर की घटना

नशे में धुत कर्मचारी ने स्पीड पोस्ट करने से किया इनकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। जिले में डक विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। आबूरोड स्थित डकघर में एक कर्मचारी के ऑन ड्यूटी शराब के नशे में और ग्राहकों से बदसलूकी करने के आरोप लगे हैं। घटना 9 मार्च सोमवार दोपहर करीब 12 बजकर 50 मिनट की बताई जा रही है, जब एक ग्राहक स्पीड पोस्ट करवाने के लिए डकघर पहुंचा। ग्राहक का आरोप है कि वह मौजूद डक कर्मचारी ने स्पीड पोस्ट करने से



साफ इनकार कर दिया और कहा कि "यहां रखकर चले जाओ, जब समय मिलेगा तब कर दूंगा" ग्राहक के अनुसार कर्मचारी मनोहर लाल उस समय शराब के नशे में था और कार्यालय में ही सोता हुआ मिला। इस घटना के सामने आने के बाद डक विभाग की कार्यशैली और अनुशासन को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।
अधीक्षक ने दिए जांच के आदेश
मामले को लेकर जब डक विभाग के अधीक्षक सुमित सैनी से बात की गई तो उन्होंने पूरे प्रकरण की जांच करवाने की बात कही। अधीक्षक के निर्देश के बाद निरीक्षण

डाकपाल महेश मीणा मौके पर पहुंचे और स्थिति की जानकारी ली। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान संबंधित कर्मचारी को कार्यालय के अंदर ले जाकर पृष्ठाछ की गई। हालांकि इस मामले में अभी तक किसी प्रकार की आधिकारिक कार्रवाई की पुष्टि नहीं हुई है।
कार्यालय में महिला कर्मचारी और ग्राहक भी आते हैं
आबूरोड डकघर में कई महिला कर्मचारी भी कार्यरत हैं और बड़ी संख्या में महिला ग्राहक भी रोजाना सेवाओं के लिए यहां आती हैं। ऐसे में ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों के शराब के नशे में होने के आरोप बेहद गंभीर माने जा रहे हैं।

बीजेपी विधायक दल की बैठक में सीएम ने चेताया विधायकों पर तीसरी आंख से रखी जा रही नजर

जागरूक जनता नेटवर्क jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विधानसभा में भाजपा विधायक दल की बैठक ली। बैठक विस के हां पक्ष की लॉबी में आयोजित हुई, जिसमें पार्टी के विधायक और मंत्री मौजूद रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सदन में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विधायकों को सराहना की। उन्होंने विधायकों से कहा कि उनके कामकाज पर नजर रखी जा रही है, और उन पर तीसरी आंख भी है, इसलिए सभी को जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि विधायकों ने जो मांगा सरकार ने उसे पूरा करने का प्रयास किया है।



"मंत्रियों को 200 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचना है"

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार के पांच साल के कार्यकाल में सभी मंत्रियों को राज्य की दो सी विधानसभा क्षेत्रों तक पहुंचना है। उन्होंने कहा कि मंत्री जनता के बीच जाकर आठ से दस घंटे तक रुकें और लोगों की

समस्याओं को मौके पर ही सुनकर समाधान करें। **राजस्थान दिवस कार्यक्रमों पर चर्चा** मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार के दो साल पूरे होने के बाद भी प्रदेश में एंटी इनकबेसी का माहौल नहीं है, जो सरकार के लिए सकारात्मक संकेत है। मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों से राजस्थान दिवस के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर

भाग लेने का आह्वान किया।

मंदिरों में विशेष आरती होगी

उन्होंने बताया कि राजस्थान दिवस की शुरुआत स्वच्छता अभियान और विकसित रन से होगी। इसके अलावा प्रदेशभर में विद्यालयों में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। एक जिला एक उत्पाद प्रदर्शनी, जनजाति कला प्रदर्शनी, युवा शक्ति मेला, उद्योगपतियों के साथ संवाद और किसान सम्मेलन जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। राजस्थान दिवस के अवसर पर मंदिरों में विशेष आरती का आयोजन होगा। जयपुर में सांस्कृतिक संध्या और आतिशबाजी का भी कार्यक्रम रखा जाएगा। बैठक में दोनों डिप्टी सीएम दिया कुमार, प्रेमचंद बेरवा, गृह राज्य मंत्री जवार सिंह वेदम, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, शिक्षा और पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर, नगरीय विकास और स्वास्थ्य शासन विभाग के राज्य मंत्री झावर सिंह खरौं सहित अन्य विधायक और मंत्री मौजूद रहे।

संशोधन से नगरीय निकाय चुनावों में भाग ले सकेंगे दो से अधिक संतानों वाले प्रत्याशी-नगरीय विकास मंत्री

जयपुर @ जागरूक जनता। मंगलवार को राजस्थान विधानसभा में राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2026 ध्वनिमत से पारित किया गया। संशोधन विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए नगरीय विकास मंत्री श्री झावर सिंह खरौं ने कहा कि दो से अधिक संतानों वाले प्रत्याशी अब नगर निकायों के चुनावों में भाग ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि को रोकने हेतु

पूर्व में दो से अधिक संतान वाले व्यक्तियों को नगर निकाय चुनाव में भाग लेने से प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया था। आमजन में बढ़ी सजगता के कारण बदले परिदृश्य में यह नियम अब अप्रासंगिक है। लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप इसे संशोधित करने का निर्णय लिया गया है। इससे अनुभवी लोगों को नगर निकायों से लोकतांत्रिक रूप से चुन के आने का अधिकार मिल सकेगा।

विरासत से प्रगति तक हर कदम पर आपके साथ, हिन्दुस्तान जिंक

विश्व का सबसे बड़ा एकीकृत जिंक उत्पादक और शीर्ष पाँच चांदी उत्पादकों में से एक, भारत से जुड़ा हिन्दुस्तान जिंक जिम्मेदार, लो-कार्बन ग्रोथ को आगे बढ़ाते हुए मार्डन डेवलपमेंट के साथ अग्रणी है।

rahaad shawan, Udaipur - 313 001, Rajasthan, INDIA. www.hindustan.com CIN L27201RJ2968PLC001208

हिन्दी समाचार पत्र **जागरूक जनता** के 12वें स्थापना दिवस महाशिवरात्री, महिला दिवस एवं होली की **हार्दिक शुभकामनाएं**

माननीय श्री भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री, राजस्थान

चन्द्रभान सिंह "आक्या" विधायक, चित्तौड़गढ़ एवं समस्त विधानसभा क्षेत्र चित्तौड़गढ़

निवेदक : समस्त विधानसभा क्षेत्र, चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. चित्तौड़गढ़ की ओर से सभी देशवासियों को **जागरूक जनता स्थापना दिवस महिला दिवस, होली-धुलण्डी की हार्दिक शुभकामनाएं**

ऋणों की ब्याज दरों में विशेष छूट	ऋण हेतु सरलतम प्रक्रिया	जमाओं पर आकर्षक ब्याज दरें
----------------------------------	-------------------------	----------------------------

प्रधानमंत्री के घर घर सोलर पैनल योजना अंतर्गत मध्यम वर्ग को सोलर पैनल पर 8.50 प्रतिशत ब्याज दर से ऋण उपलब्ध

एवं समस्त संचालक सदस्य चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड।

डॉ. इंद्रमल सेठिया अध्यक्ष
वंदना वजीरानी प्रबंध निदेशक

उपाध्यक्ष: शिवनारायण मानधन, निदेशक-सीए विनेश कुमार सिरोहिया, रणजीत सिंह जावर, राधेश्याम जामेनिया, बालकिशन धत, बुद्धिचंद्र काठरी, हरिश्चंद्र आहूजा, श्रीमती कल्याणी शीतल, सीए चित्तौड़गढ़ सेंटिया (डा.ड), वाक्यमल मीरा, राजेश काभरा, सहवृत्त निदेशक: हेमन्त शर्मा, सीएन सितेश सेठिया सदस्य: शालिलाल भुगरिया, सोरस अंकित जैन, नरेन्द्र चौरहिया, आदित्येन्द्र सेठिया

प्रधान कार्यालय : केशव माधव सभागार, एनसीएम सिटी चित्तौड़गढ़ शाखाएं : चित्तौड़गढ़, चंदेरिया, वेगू, निवाहेडा, कपासन, बड़ीसादड़ी एवं प्रतापगढ़।

Use Car Loan

- Minimum Rate of Intrest
- 0% Processing Fees
- No Hiddan Charges
- Minimum Document
- Advance Payment Facility
- Car Loan Available Here Only.

Sarvam Finosys
Call us : 9828333666

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantaneews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक: चेतनेन्द्र कुमार मिश्रा